राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 19 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-53 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में पुनर्चक्रण की भूमिका

पुनर्चक्रण के अनेक लाभ हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, कचरे की मात्रा कम होती है, भूमि, जल और वायु प्रदूषण में कमी आती है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नई वस्तु बनाने की तुलना में पुरानी वस्तुओं के पुनर्चक्रण में कम ऊर्जा लगती है। पुनर्चक्रण से कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों में कमी आती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है।

(लेखक-सुनील कुमार महला)

(18 मार्च वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस पर विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 18 मार्च को विश्वभर में वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस (ग्लोबल रीसाइक्लिंग डे) मनाया जाता है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व के बारे में जागरूक करना है। वास्तव में पुनर्चक्रण हमारे ग्रह और मानवता के भविष्य को बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हर वर्ष पृथ्वी अरबों टन प्राकृतिक संसाधनों का उत्पादन करती है, लेकिन एक समय ऐसा भी आएगा जब ये संसाधन या तो समाप्त हो जाएंगे या बहुत कम मात्रा में उपलब्ध रह जाएंगे। इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस बात पर गंभीरता से विचार करें कि हम क्या फेंक रहे हैं और कैसे फेंक रहे हैं। हमें कचरे को केवल बेकार वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक संभावित संसाधन और अवसर के रूप में देखना चाहिए। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पिछला दशक(वर्ष 2015 से 2024 तक) अब तक का सबसे गर्म दशक रहा है और आज पूरी दुनिया अभूतपूर्व जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है।वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जबकि उससे पहले 2023 ने भी तापमान के नए रिकॉर्ड बनाए थे। इसके अतिरिक्त 2016, 2020 और 2019 भी अत्यधिक गर्म वर्षों में शामिल हैं। वास्तव में इस बढ़ती गर्मी का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और मानवीय गतिविधियाँ मानी जाती हैं, जिसके कारण दुनिया भर में हीटवेव और तापमान के नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं। हाल फिलहाल,यदि हम समय रहते महत्वपूर्ण और त्वरित परिवर्तन नहीं करते, तो वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि, हिमनदों और बर्फ की चोटियों का तेजी से पिघलना, महाद्वीपों में आग लगना, तेजी से वनों की कटाई, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं की घटनाएँ बढ़ती जाएँगी। इन परिस्थितियों का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी बढ़ती है, विस्थापित समुदायों का पलायन होता है, नौकरियों में कमी आती है, कचरे के विशाल ढेर लगते हैं और प्राकृतिक आवास नष्ट होते जाते हैं। ऐसे में पुनर्चक्रण(रि-साइक्लिंग) एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आता है।

वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस की स्थापना ग्लोबल रीसाइक्लिंग फाउंडेशन द्वारा की गई थी और इसे पहली बार 18 मार्च 2018 को मनाया गया था। हर वर्ष इस दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-बाधाओं को तोड़ना- कचरा प्रबंधन संकट के लिए एक क्रांतिकारी खाका। जबकि वर्ष 2026 की थीम है-पुनर्चक्रण के नायक- नवाचार और कार्रवाई (रि-साइक्लिंग हीरोज- इनोवेशन एंड एक्शन । वास्तव में, इस थीम का आशय यह है कि जो लोग(जैसे वैज्ञानिक, संगठन या पर्यावरण कार्यकर्ता) और जो संस्थाएँ तथा नई तकनीकें कचरे को दोबारा उपयोगी संसाधन में बदलने के लिए नए-नए तरीके (नवाचार) खोज रही हैं और जमीन पर ठोस कार्य (कार्रवाई) कर रही हैं, उनका सम्मान किया जाए। आज जब विश्व में पर्यावरण प्रदूषण और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं, तब कचरे को पुनः उपयोग में लाने की प्रक्रिया हमारे नीले ग्रह अर्थात पृथ्वी को सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होती है। वास्तव में यह दिवस हमें यह सिखाता है कि जल, वायु, तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और खनिज जैसे प्रकृति के संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। यदि हम सरल शब्दों में समझें तो पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) का अर्थ है-किसी उपयोग की हुई या बेकार वस्तु को पुनः संसाधित करके उसे दोबारा उपयोग के योग्य बनाना। अर्थात् जिन वस्तुओं को हम उपयोग के बाद अक्सर कचरे के रूप में फेंक देते हैं, जैसे कागज़, प्लास्टिक, काँच, धातु या अन्य सामग्री, उन्हें विशेष प्रक्रियाओं के माध्यम से फिर से नई वस्तुओं में बदल देना ही पुनर्चक्रण कहलाता है। संक्षेप में कहा जाए तो री-साइक्लिंग वह प्रक्रिया है जिसमें बेकार या इस्तेमाल की हुई वस्तुओं को फिर से उपयोगी बनाया जाता है, ताकि संसाधनों की बचत हो और पर्यावरण सुरक्षित रहे।सच तो यह है कि वैश्विक पुनर्चक्रण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन का आह्वान है। जब हम किसी वस्तु को 'कचरा' कहने के बजाय 'संसाधन' के रूप में देखना शुरू करते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी की नींव रखते हैं। आज विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ वस्तुओं और संसाधनों का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है। जब संसाधनों का उपयोग और उपभोग बढ़ता है तो कचरे की मात्रा भी बढ़ती है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर दबाव पड़ता है। ऐसे में पुनर्चक्रण पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक और प्रभावी उपाय बनकर सामने आता है। पुनर्चक्रण के अनेक लाभ हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, कचरे की मात्रा कम होती है, भूमि, जल और वायु प्रदूषण में कमी आती है, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नई वस्तु बनाने की तुलना में पुरानी वस्तुओं के पुनर्चक्रण में कम ऊर्जा लगती है। पुनर्चक्रण से कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों में कमी आती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त यह नए रोजगार के अवसर पैदा करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और कच्चे माल की आवश्यकता को भी कम करता है। इसलिए आवश्यक है कि पुनर्चक्रण से संबंधित नीतियों और कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, लोगों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए और इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दिया जाए।हालाँकि, दुनिया में पुनर्चक्रण की चर्चा बहुत होती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी बहुत कम कचरा पुनर्चक्रित हो पाता है। वैश्विक स्तर पर केवल लगभग 6.9त्न सामग्री ही पुनर्चक्रित हो पाती है। विश्व की अर्थव्यवस्था में उपयोग होने वाले लगभग 106 अरब टन संसाधनों में से केवल 6.9त्न ही पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः उपयोग में आ पाते हैं। प्लास्टिक पुनर्चक्रण की स्थिति और भी चिंताजनक है। दुनिया में बनने वाले प्लास्टिक का केवल 9-10त्न ही पुनर्चक्रित हो पाता है। वर्ष 2024 में लगभग 22 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ, लेकिन इसका बहुत छोटा हिस्सा ही सही तरीके से रीसायकल हो पाया। इसी प्रकार वर्ष 2022 में बने 400 मिलियन टन प्लास्टिक में से केवल 9.5त्न ही पुनर्चक्रित सामग्री से बना था। वर्तमान में विश्व में हर वर्ष लगभग 400-414 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है और यदि यही स्थिति बनी रही तो 2060 तक प्लास्टिक का उपयोग लगभग तीन गुना हो सकता है। वर्ष 1950 से अब तक दुनिया में 9 अरब टन से अधिक प्लास्टिक बनाया जा चुका है और हर वर्ष लगभग 350 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इतना ही नहीं, हर साल लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंच जाता है, जो समुद्री जीवन और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है।यदि भारत की बात करें तो देश में हर वर्ष लगभग 62 मिलियन टन (6.2 करोड़ टन) कचरा उत्पन्न होता है, लेकिन इसमें से केवल लगभग 25त्न कचरा ही प्रोसेस या पुनर्चक्रित किया जाता है, जबकि लगभग 75त्न कचरा बिना प्रोसेस के ही रह जाता है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक देश है और वर्ष 2023-24 में देश में लगभग 17 लाख टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि भारत में पुनर्चक्रण का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा किया जाता है। देश में लगभग 15 लाख कचरा बीनने वाले लोग इस कार्य में लगे हुए हैं, जो पुनर्चक्रण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि पुनर्चक्रण से कच्चे माल के निष्कर्षण, शोधन और प्रसंस्करण की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव होता है। यही कारण है कि आज पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को सातवां संसाधन माना जाने लगा है, जो सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को संसाधन के रूप में मान्यता देने से जिम्मेदार उपभोग और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम पुनर्चक्रण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, ताकि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी पृथ्वी के संसाधन सुरक्षित रखे जा सकें।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है।

बुलेट ट्रेन की परियोजना में लगे पंख

(लेखक- बिनोद कुमार सिंह)

- बुलेट ट्रेनआधुनिक भारत की गति,शहरी विकास की नई दिशा

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ विकास की परिभाषा केवल सड़कों,पुलों और भवनों तक सीमित नहीं रही,बल्कि वह गति, समन्वय और सुविधा के समग्र अनुभव में परिवर्तित हो चुकी है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन मोड़ व अश्वनी वैष्णव के विजन में इसी बदलती सोच का सबसे सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बुलेट ट्रेन की परियोजना में पंख लग गए है।सर्व विदित रहे कि देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना,जो केवल एक तेज रफ्तार रेल सेवा नहीं,बल्कि आधुनिक शहरी जीवन शैली का आधार बनने की दिशा में अग्रसर है।आपको बता दें कि बुलेट ट्रेन स्टेशनों को जिस दृष्टिकोण से विकसित किया जा रहा है,वह अपने आप में एक नई अवधारणा को जन्म देता है।अब स्टेशन केवल यात्रा के प्रारंभ और अंत का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे शहर की परिवहन व्यवस्था के साथ एकीकृत होकर आधुनिक शहरी नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।मल्टी- मॉडल इंटीग्रेशन (एमएमआई) की यह अवधारणा यात्रियों को बिना किसी व्यवधान के एक परिवहन माध्यम से दूसरे माध्यम में सहज रूप से स्थानांतरित होने की सुविधा प्रदान करेगी।इस योजना के तहत स्टेशन परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों का व्यापक विकास किया जा रहा है।बस,टैक्सी,निजी वाहन और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों को एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित ढंग से जोड़ने का प्रयास,भारतीय शहरों की लंबे समय से चली आ रही परिवहन अव्यवस्था को दूर करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल यात्रा को आसान नहीं बनाएगा, बल्कि समय की बचत,ईंधन की खपत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।सूत्रो के अनुसार स्टेशन प्लाज़ा को जिस प्रकार से डिजाइन किया जा रहा है,वह आधुनिक शहरी सौंदर्य और कार्यकुशलता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहाँ के चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ, सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप ऑफ जोन,पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, उन्नत संकेत प्रणाली,आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था - ये सभी सुविधाएँ मिलकर यात्रियों को एक सुरक्षित,सुविधाजनक और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेंगी। साथ ही,लैंडस्केपिंग और वृक्षारोपण के माध्यम से इन क्षेत्रों को हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास भी सराहनीय है।

यदि हम इस परियोजना की प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कागजों तक सीमित योजना नहीं,बल्कि धरातल पर तेजी से आकार लेती हुई वास्तविकता है।सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर स्टील स्ट्रक्चर और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्र में फ्लोरिंग,क्लैडिंग और अन्य आंतरिक कार्यों की प्रगति इस बात का संकेत देती है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपनी अंतिम रूपरेखा में दिखाई देगा। बिलिमोरा स्टेशन पर भी निर्माण कार्य उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रहा है।रेल और प्लेटफॉर्म स्तर की स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है और संरचनात्मक स्टील का कार्य भी समाप्त हो गया है।अब आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और एमईपी कार्यों के माध्यम से इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आणंद स्टेशन की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।यहाँ न केवल स्लैब कास्टिंग और रूफ संरचना का कार्य पूरा हो चुका है,बल्कि लिफ्ट और एस्केलेटर भी स्थापित किए जा चुके हैं।यह दर्शाता है कि यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को किस गंभीरता से क्रियान्वित किया जा रहा है।

वडोदरा,भरूच और वापी स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।कहीं स्लैब कास्टिंग पूरी हो चुकी है,तो कहीं संरचनात्मक स्टील का कार्य जारी है।यह समग्र प्रगति इस बात का प्रमाण है कि देश की यह महत्वाकांक्षी परियोजना योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रही है।इस पूरे प्रयास के पीछे केवल तेज गति से यात्रा कराने का उद्देश्य नहीं है, बल्कि एक ऐसे परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप हो। जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।आज के इस युग मे जब महानगरों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन बड़ी चुनौतियाँ बन चुकी हैं,ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है। यह न केवल यात्रियों को तेज और सुरक्षित यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी, बल्कि शहरी नियोजन के नए मानक भी स्थापित करेगी।

संक्षेप में कह सकते है कि बुलेट ट्रेन परियोजना केवल एक परिवहन योजना नहीं,बल्कि आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है। यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज,संगठित,पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और भविष्य के लिए तैयार है। आने वाले वर्षों में जब ये स्टेशन पूरी तरह से विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवन के प्रतीक बनकर उभरेंगे।बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत के निर्माण को गति, शहरी विकास की नई दिशा देगी।

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है।

जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है। जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।? मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

विचार मंथन

बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं।

दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है।

बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रुख फिर निगेटिव हो, बाजार से निकाले 86,285 करोड़

-विशेषज्ञ बोले- हालात जैसे ही सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकता है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजार में मार्च महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का रुख फिर से निगेटिव हो गया है। ब्रोकरेज फर्म एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग के मुताबिक जब तक यह भू-राजनीतिक तनाव बना रहेगा, तब तक विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे ही हालात सामान्य होंगे, विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकते हैं। इसके पीछे भारत के मजबूत आर्थिक हालात, बेहतर ग्रोथ की उम्मीद और विकसित देशों के मुकाबले ठीक-ठाक वैल्यूएशन को वजह माना जा रहा है।आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 86,285 करोड़ रुपए निकाले हैं। साल 2025 में भी कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली हुई। वहीं 2026 में जनवरी महीने में एफपीआई ने 35,962 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन फरवरी में उन्होंने वापसी करते हुए 22,615 करोड़ का निवेश किया, जो सितंबर 2024 के बाद सबसे ज्यादा था। विदेशी निवेश की बिकवाली का असर बाजार पर साफ नजर आया। इस साल अब तक निफ्टी 50 करीब 9.7 फीसदी गिर चुका है। वहीं सेंसेक्स में भी करीब 10.7 फीसदी की गिरावट आई। मार्केट कैप में भी करीब 22 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है।रिपोर्ट के मुताबिक म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशक दोनों ही इस समय कैपेक्स से जुड़े सेक्टर जैसे कैपिटल गुड्स, पावर और सीमेंट से दूरी बनाए हुए हैं। वहीं दूसरी ओर ऑटो, उपभोक्ता सामान और एफएमसीजी जैसे सेक्टरों में इनकी रुचि ज्यादा है। फाइनेंशियल सेक्टर को लेकर भी पहले की तुलना में निगेटिव रुख कम हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि म्यूचुअल फंड और विदेशी निवेशकों की रणनीति कई सेक्टरों में अलग-अलग है। फरवरी में म्यूचुअल फंड ने आईटी, टेलीकॉम, सीमेंट और कंज्यूमर सर्विसेज में निवेश बढ़ाया, जबकि मेटल, पावर, ऑटो और ऑयल-गैस सेक्टर में हिस्सेदारी घटाई। वहीं विदेशी निवेशक कैपिटल गुड्स, मेटल और पावर सेक्टर में ज्यादा खरीदार रहे, जबकि आईटी सेक्टर में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी कम कर दी।पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच विदेशी ब्रोकरेज फर्मों ने भी निफ्टी के टारगेट घटा दिए हैं। नोमुरा ने अब निफ्टी का टारगेट 24,900 रखा है, जो पहले 29,300 था। वहीं सिटी रिसर्च ने भी 2026 के लिए अपना टारगेट 5.2 फीसदी घटाकर 27,000 कर दिया है। नोमुरा के मुताबिक इस उतार-चढ़ाव के दौर में कोयला, तेल उत्पादन, हेल्थकेयर, फार्मा, एफएमसीजी और टेलीकॉम सेक्टर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हालांकि, हेल्थकेयर और एफएमसीजी सेक्टर में वैल्यूएशन अभी थोड़ा महंगा माना जा रहा है।

नाटो से मदद न मिलने पर भड़के ट्रंप बोले- अकेले लड़ेंगे, चीन का दौरा भी टाल दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने के अंत में होने वाला अपना प्रस्तावित चीन दौरा आधिकारिक रूप से टाल दिया है। ईरान के साथ जारी युद्ध और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में आए गतिरोध के बीच व्हाइट हाउस ने यह बड़ा फैसला लिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि अब वह अगले पांच या छह हफ्तों में चीन की यात्रा कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने इस देरी के महत्व को कम बताते हुए कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके कामकाजी और व्यक्तिगत रिश्ते बहुत मजबूत हैं और शी जिनपिंग भी उनसे मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस दौरे के टलने के पीछे की असली वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उपजा विवाद माना जा रहा है। ट्रंप ने पहले संकेत दिया था कि उनकी चीन यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि बीजिंग होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाने में वाशिंगटन की मदद करता है या नहीं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के जवाब में ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग को बाधित कर दिया है। हालांकि, चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप के दौरे का इस समुद्री मार्ग के विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए नाटो और अपने अन्य प्रमुख सहयोगियों पर भी निशाना साधा है। ट्रंप ने दावा किया कि उनके अधिकतर नाटो सहयोगियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल होने और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में मदद करने के अमेरिकी आह्वान को ठुकरा दिया है। ट्रंप ने इसे एकतरफा व्यवस्था करार देते हुए कहा कि अमेरिका हर साल इन देशों की सुरक्षा पर अरबों डॉलर खर्च करता है.

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। आज दोनो के ही वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सुबह के समय सोने के वायदा भाव 1,55,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,51,000 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में कारोबार रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 327 रुपये टूटकर 1,55,658 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इससे पिछला बंद भाव 1,55,985 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 201 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,784 रुपये के स्तर पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,55,784 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 1,55,600 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचेदूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 1,615 रुपये नीचे आकर 2,51,498 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,53,113 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 2,107 रुपये की गिरावट के साथ 2,51,006 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 2,51,498 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,50,919 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा।

चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी रही है। कामेक्स पर सोना आज 5,010.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,008.20 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.39 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 79.92 डॉलर था।

इंफोसिस जारी करेगी तिमाही के नतीजे, अप्रैल की बैठक में फाइनल डिविडेंड पर होगा विचार

नई दिल्ली,

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंफोसिस जल्द ही अपने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक 22 और 23 अप्रैल 2026 को होगी। इस बैइक में कंपनी मार्च 2026 को खत्म हुए वित्त वर्ष के चौथी तिमाही और पूरे साल के ऑडिटेड नतीजों को मंजूरी देगी। माना जा रहा है कि कंपनी 23 अप्रैल को शाम के आसपास अपने नतीजे जारी कर सकती है, जैसा कि पहले भी होता रहा है।इंफोसिस ने यह भी संकेत दिया है कि इस बैठक में शेयरधारकों के लिए फाइनल डिविडेंड पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि डिविडेंड की राशि क्या होगी, इसका फैसला बैठक में ही होगा। कंपनी ने बताया कि सेबी के नियमों के तहत ट्रेडिंग विंडो 16 मार्च 2026 से बंद कर दी गई है। इस दौरान कंपनी से जुड़े लोग शेयरों की खरीद-फरोख्त नहीं कर सकते। इंफोसिस 23 अप्रैल को अपने नतीजों के बाद निवेशकों और विश्लेषकों के साथ कॉल भी करेगी। कंपनी का शेयर 1232.50 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से करीब 1.37 फीसदी कम है। पिछले एक हफ्ते में शेयर करीब 4.87 फीसदी गिरा है, नजर 23 अप्रैल पर टिकी हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 633, निफ्टी 196 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज आईटी और रियल्टी शेयरों में आये उछाल से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 196.65 अंक ऊपर आकर 23,777.80 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी मिडकैप में 2.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.67 फीसदी की बढ़त आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी में भी तेजी रही। । इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में बढ़त दर्ज की गई। जबकि निफ्टी एफएमसीजी में मामूली गिरावट रही। निफ्टी में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। वहीं सिप्ला, एचयूएल, कोल इंडिया, एनटीपीस, सनफार्मा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स और हिंडाल्को के शेयर गिरे। सेंसेक्स में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। जिससे यह पहले के 433 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 438 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उछाल देखने में आया। आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीददारी से प्रमुख सूचकांक में उछाल आया। सुबह सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ ही 76,257 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया जबकि निफ्टी भी 65 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुलकर 23,646 तक पहुंचा।

निफ्टी में जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त तेजी आई उसमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, विप्रो और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे। इन शेयरों में अच्छी खरीदारी से सूचकांक उछला। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। वैश्विक संकेतों का प्रभाव भी घरेलू बाजार पर दिखा। निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरन रिजर्व पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया किया जाएगा। एशियाई बाजारों में भी अच्छा माहौल रहा। जापान का निकेई 225 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया।

वहीं आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जापान के निर्यात में सालाना आधार पर 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी रही। दक्षिण कोरिया का क्रोस्पी लगभग 4 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ क्षेत्रीय बाजारों में सबसे आगे रहा। वहीं चीन का सीएसआई 300 और हांगकांग का हेंग सेंग भी हल्की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में भी सकारात्मक माहौल रहा। एसएंडपी 500 और डॉओ जोंस इंडस्ट्रीयल औसत हल्की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि नेसडेक कंपोजिट में भी अच्छी तेजी आई।

गैलेक्सी ए 37 और गैलेक्सी ए57 के लांच की तैयारी

नई दिल्ली ।

सैमसंग कंपनी अपने दो नए स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ए 37 और सैमसंग गैलेक्सी ए57 जल्द लॉन्च हो सकते है। इनके हैंड्स-ऑन वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ गए हैं। इन वीडियो को एक्स पर एक यूज ने शेयर किया है, जिससे फोन्स के डिजाइन और कुछ फीचर्स के बारे में अहम जानकारी मिली है।वीडियो के अनुसार दोनों स्मार्टफोन ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप के साथ आएंगे, जिसमें कैमरे वर्टिकल लाइन में लगाए गए हैं। फोन के राइट साइड में पावर और वॉल्यूम बटन के साथ कंपनी का खास 'की इस्लेंड' डिजाइन भी देखने को मिलता है। दोनों डिवाइस फुल एचडी प्लस अमोलेड डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ पेश किए जा सकते हैं। लीक वीडियो में सैमसंग गैलेक्सी ए 37 का ग्रीन कलर वेरिएंट दिखाई दिया है। यह फोन फ्लैट डिस्प्ले और अपेक्षाकृत मोटे बेजल्स के साथ आ सकता है। डिस्प्ले में सेल्फी कैमरे के लिए पंच-होल कटआउट दिया गया है। इसके पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा यूनिट और एलईडी फ्लैश मौजूद है। वहीं फोन के निचले हिस्से में सैमसंग का लोगो भी दिखाई देता है। दिया जा सकता है। साथ ही ये स्मार्टफोन आईपी 68 रेटिंग के साथ आ सकते हैं। प्रोसेसर के तौर पर सैमसंग गैलेक्सी ए57 में एक्सीनोस 1680 और सैमसंग गैलेक्सी ए 37 में एक्सीनोस 1480 चिपसेट मिलने की संभावना है।

80,800 मिट्रिक टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर भारत पहुंचा जहाज

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए बंद कर रखा है

नई दिल्ली,। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के तनावपूर्ण जलमार्ग को सफलतापूर्वक पार कर भारत का एक और अहम क्रूड ऑयल टैंकर सुरक्षित गुजरात पोर्ट पर पहुंचा। भारतीय झंडे वाले जहाज जग लाडकी ने यूएई के फुजैराह पोर्ट से करीब 80,800 मेट्रिक टन मुर्बन क्रूड ऑयल लेकर गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर बुधवार को डॉक किया।मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जग लाडकी रविवार को फुजैराह से रवाना हुआ था। जहाज फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर क्रूड लोडिंग कर रहा था, तभी शनिवार को ईरान ने फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला किया। हमले से आग लगी और कुछ लोडिंग ऑपरेशंस अस्थायी रूप से प्रभावित हुए, लेकिन जग लाडकी और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित रहे।हमले के अगले दिन ही जहाज ने सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर भारत की ओर बढ़ा। यह जहाज युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के निकलने वाला चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले दो भारतीय एलपीजी कैरियर शिवालिक और नंदा देवी ने शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार किया था, जिनमें कुल 92,712 टन एलपीजी लदा था। शिवालिक मुंद्रा पहुंच चुका है, जबकि नंदा देवी कांडला बंदरगाह पर पहुंचा है। शुक्रवार को ओमान के सोहर पोर्ट से टैंजानिया जा रहा एक और भारतीय टैंकर जग प्रकाश भी गैसोलीन लेकर सुरक्षित निकला था।

ईरान ने होर्मुज को अमेरिकी और इजराइली जहाजों के लिए ब्लॉक कर दिया है, लेकिन भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग की गारंटी दी है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने घोषणा की कि यह चोकपॉइंट अमेरिका और इजराइल के जहाजों के लिए बंद रहेगा। भात कही थी।

सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही, एक साल में 4 गुना बढ़ा निवेश

नई दिल्ली,। भारतीय निवेशकों ने पिछले एक साल में सरकारी सिक्वे योरिटीज में जमकर निवेश किया है। रिजर्व बैंक की ओर से जारी रिटेल डायरेक्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि सरकारी बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है और सेकंडरी बाजार की गतिविधियों में वृद्धि देखी जा रही है। आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर सेकंडरी बाजार खंड में कारोबार की मात्रा पिछले एक साल में 3.7 गुना बढ़ गई है। यह सरकारी प्रतिभूतियों में व्यक्तिगत निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। रिटेल डायरेक्ट मंच के जरिए आसान पहुंच और बेहतर नकदी से इसे समर्थन मिल रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मंच पर कुल कारोबार की मात्रा 16 मार्च, 2026 को बढ़कर 8,211.91 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले 1,756.08 करोड़ रुपए थी। रॉकफोर्ट फिनकैप एलएलपी के संस्थापक और प्रबंध भागीदार वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन ने कहा कि सबसे उल्लेखनीय सेकंडरी बाजार में कारोबार की मात्रा में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। यह दर्शाता है कि खुदरा निवेशक प्राथमिक सदस्यता तक ही सीमित रहने के बजाय सरकारी प्रतिभूतियों में खरीद-बिक्री करने में धीरे-धीरे ज्यादा सहज हो रहे हैं। कुल कारोबार में केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों का हिस्सा सबसे ज्यादा 8,059.96 करोड़ रुपए था। इसके बाद राज्य सरकार की प्रतिभूतियों का कारोबार 82.23 करोड़ रुपए, ट्रेजरी बिल 59.95 करोड़ रुपए और सरकारी गोल्ड बॉन्ड का कारोबार 9.77 करोड़ रुपए रहा।आरबीआई की रिटेल डायरेक्ट योजना खुदरा निवेशकों को सीधे मंच के जरिए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने में मदद करती है। श्रीनिवासन ने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में अपेक्षाकृत कम भागीदारी आश्चर्यजनक है, क्योंकि राज्य विकास ऋण आमतौर पर सरकारी प्रतिभूतियों की तुलना में 0.50 से 0.80 फीसदी का ज्यादा रिटर्न देते हैं। इससे संकेत मिलता है कि खुदरा निवेशक अतिरिक्त रिटर्न की तुलना में नकदी और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे रहे हैं।बॉन्ड प्रतिफल 6.7118 फीसदी पर है।

वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 जल्द होगा लांच

नई दिल्ली।

वनप्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 को लॉन्च करने की तैयारी में है। नोर्ड सीई 6 को भारत के बीआईएस प्लेटफॉर्म पर देखा गया है, जिससे संकेत मिलता है कि यह फोन जल्द भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। वहीं नोर्ड 6 को कई अंतरराष्ट्रीय सर्टिफिकेशन वेबसाइट्स पर स्पॉट किया गया है, जिससे इसके भी जल्द लॉन्च होने की संभावना जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक नोर्ड 6 को 2026 की पहली तिमाही के आसपास पेश किया जा सकता है। कंपनी आमतौर पर अपनी नोर्ड सीरीज के नए मॉडल समर इवेंट के दौरान लॉन्च करती है, इसलिए संभावना है कि यह स्मार्टफोन भी इसी समय बाजार में आए। लीक्स के मुताबिक वनप्लस नोर्ड 6 में 6.78 इंच की अमोलेड डिस्प्ले दी जा सकती है, जो 1.5के रेजोल्यूशन और 165 एचझेड तक रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें पावरफुल स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है, जो बेहतर परफॉर्मेंस देने में सक्षम होगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा फोन में 9000 एमएएच तक की बड़ी बैटरी दिए जाने की भी चर्चा है।

दूसरी ओर वनप्लसनोर्ड सीई 6 6 में करीब 6.78 इंच की फुल एचडी+ ओलेड डिस्प्ले मिलने की संभावना है, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है। इसमें स्नैपड्रेगन 8एस जेन 4 या स्नैपड्रेगन 7 सीरीज का नया चिपसेट दिया जा सकता है। कैमरे के तौर पर इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य रियर कैमरा और लगभग 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है। कीमत की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक नोर्ड सीई 6 की कीमत करीब 26,000 से 27,000 रुपये के बीच हो सकती है, जबकि नोर्ड 6 की कीमत लगभग 30,000 से 35,000 रुपये के आसपास रहने का अनुमान है।

वैश्विक तेल बाजार में उबाल, 100 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल, भारत में अभी भी राहत

नई दिल्ली,। ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में कोहराम मचा दिया है। मिडिल-ईस्ट से उठ रही युद्ध की लपटों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल देखा जा रहा है। 23 फरवरी 2026 तक जो कीमतें वैश्विक स्तर पर सामान्य थीं, उनमें अब भारी उछाल आ चुका है। ब्रेंट क्रूड ने 71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से सीधी छलांग लगाते हुए 100 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर लिया है। यह लगभग 45 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी है, जो ग्लोबल एनर्जी मार्केट में युद्ध की गंभीर आशंकाओं को साफ दर्शाती है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की इस आग ने आम आदमी की जेब जलानी शुरू कर दी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर पेट्रोल की औसत कीमतें 1.20 डॉलर प्रति लीटर से बढ़कर 1.27 डॉलर पर पहुंच गई हैं। वहीं, डीजल ने और भी तेज रफ्तार दिखाई है, जिसकी औसत कीमत 1.20 डॉलर से उछलकर 1.33 डॉलर प्रति लीटर पर जा पहुंची है। ये आंकड़े बताते हैं कि डीजल पर युद्ध की मार पेट्रोल के मुकाबले कहीं ज्यादा भारी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि भारत, चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे बड़े देशों में अभी तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। अल्जीरिया, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे देशों में भी कीमतें फिलहाल स्थिर हैं। जानकारों का मानना है कि भारत में 5 राज्यों में होने वाले चुनाव के कारण कीमतें नियंत्रित की जा रही हैं। हालांकि, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की बढ़ोतरी से भारत के सालाना आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर का इजाफा होता है। अभी क्रूड 100 डॉलर के पार बना हुआ है, जिससे रुपये और सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है; अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो नियंत्रित बाजार वाले देशों को भी अंततः कीमतें बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने अपनी हाई-परफॉर्मेंस 'एम' सीरीज का विस्तार करते हुए नई बीएमडब्ल्यू एम 1000 आर सुपरस्पोर्ट रोडस्टर लॉन्च कर दी है। कंपनी के अनुसार देशभर के अधिकृत डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है और ग्राहकों को इसकी डिलीवरी मई 2026 से मिलनी शुरू हो जाएगी।

इस दमदार सुपरबाइक की एक्स-शोरूम कीमत 33.50 लाख रुपये तय की गई है। डिजाइन के मामले में यह बाइक बेहद आकर्षक और आक्रामक लुक के साथ पेश की गई है। इसका स्टाइल काफी हद तक बीएमडब्ल्यू की लोकप्रिय आरआर सुपरबाइक्स से प्रेरित है।

बाइक के फ्रंट में नई डुअल-फ्लो एलईडी हेडलाइट दी गई है, जो इसे अलग पहचान देती है। इसके साथ ही इसमें दिए गए 'एम विंगलेट्स' हाई स्पीड पर बाइक की स्थिरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कंपनी के मुताबिक 220 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर ये विंगलेट्स अगले पहिए पर करीब 11 किलोग्राम तक अतिरिक्त डाउनफोर्स पैदा करते हैं, जिससे बाइक तेज गति पर भी सड़क से मजबूती से जुड़ी रहती है। परफॉर्मेंस के लिहाज से इस बाइक में 999सीसी का वॉटर-कूल्ड इनलाइन फोर-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जिसे ट्रैक-फोकस्ड ट्यूनिंग के साथ तैयार किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी टी20आई रैंकिंग: अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम, बुमराह की टॉप-5 में एंट्री

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी यह रही कि अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर बने हुए हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह बिना मैच खेले ही गेंदबाजों की टॉप-5 में पहुंच गए हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी जबरदस्त फायदा हुआ है।

बिना खेले टॉप-5 में पहुंचे बुमराह

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद इस फॉर्मेट में कोई मैच नहीं खेला है। इसके बावजूद जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर 702 रेटिंग अंकों के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश के अंक घटने से बुमराह को सीधा फायदा मिला। यह दर्शाता है कि रैंकिंग अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन से भी प्रभावित होती है।

अभिषेक शर्मा का दबदबा बरकरार

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम हैं। उनकी लगातार आक्रामक और प्रभावी बल्लेबाजी उन्हें इस पोजीशन पर बनाए हुए है। यह भारतीय टीम के लिए बड़ी सकारात्मक खबर है। उनका प्रदर्शन भविष्य के टूर्नामेंट्स में भी अहम रहने वाला है।

मेहदी हसन मिराज का शानदार उछाल

बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। 3 मैचों में 5 विकेट लेकर उन्होंने टीम को 2-1 से जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के दम पर वह वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान ऊपर चढ़कर 7वें स्थान पर पहुंच गए। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी दूसरे नंबर पर आ गए हैं।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों को मिला फायदा

तंजीद हसन ने 31 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है। इसके अलावा लिटन दास, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। यह बांग्लादेश टीम के शानदार सामूहिक प्रदर्शन का नतीजा है। लगातार अच्छे खेल का असर खिलाड़ियों की रैंकिंग पर साफ दिखा है।

सलमान अली आगा और शाहीन अफरीदी को फायदा

पाकिस्तान के सलमान अली आगा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑलराउंडर रैंकिंग में भी वह 10वें नंबर पर काबिज हैं। कप्तान शाहीन अफरीदी भी ऑलराउंडर सूची में 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हालिया सीरीज में प्रदर्शन का उन्हें सीधा फायदा मिला है।

मिचेल सेंटनर का शानदार प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने टी20 सीरीज में बेहतरीन खेल दिखाया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके प्रदर्शन से उन्हें 11 स्थान का फायदा मिला। अब वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। साथ ही ऑलराउंडर रैंकिंग में भी 7वें स्थान पर काबिज हैं।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला फायदा

न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और डेवोन कॉनवे की रैंकिंग में सुधार हुआ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे और ओटनील बार्टमैन को भी बड़ा फायदा मिला है। इन खिलाड़ियों ने हालिया मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिसका सीधा असर उनकी रैंकिंग पर देखने को मिला है।

आईपीएल के दौरान तनाव कम करने हुक्का पीते हैं धोनी : बिलिंग्स

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते रहे हैं। मैदान पर अपनी शांत कप्तानी के लिए ÷कैप्टन कूल÷ के नाम से लोकप्रिय रहे धोनी निजी जिंदगी में काफी रिजर्व स्वभाव के माने जाते हैं। इसलिए उनके बारे में प्रशंसकों को ज्यादा कुछ नहीं पता चलता है पर अब आईपीएल में सीएसके की ओर से खेले इंग्लैंड के क्रिकेटर सैम बिलिंग्स ने कहा है कि धोनी हुक्का पीने के शौकीन हैं। बिलिंग्स के अनुसार आईपीएल टूर्नामेंट में धोनी होटल के कमरे में हुक्का पीते हैं और टीम के एक खिलाड़ी उनके लिए हुक्का तैयार करता है।

बिलिंग्स के अनुसार ये हुक्का उनक लिए तेज गेंदबाज खलील अहमद तैयार करते हैं।

उनके अनुसार, आईपीएल के दौरान टीम के अधिकतर खिलाड़ी मैच के बाद होटल के बार में जाकर समय बिताते थे। जिससे की मैच के तानव से उबर सकें। इस दौरान खिलाड़ियों को गपशप का भी अवसर मिल जाता था पर धोनी इससे अलग रहते हुए एकांत में हुक्का पीते थे। वह कभी भी बार में जाते नहीं दिखे।

धोनी के लिए हुक्का सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि टीम को एक-साथ जोड़े रखने का भी तरीका रहा है। बिलिंग्स और कोच माइकल हसी ने कहा कि धोनी का होटल रूम टीम के लिए पूरे समय किसी लाउंज जैसा रहता है, क्योंकि धोनी प्रशंसकों की भीड़ के कारण होटल बार या किसी कैफे में नहीं जा सकते, इसलिए वो अपने रूम को ही अपनी अलग जगह बना लेते थे। बिलिंग्स के अनुसार धोनी को हुक्का पसंद था और वे इसका आनंद अपने कमरे में ही उठाते रहते थे। उनके पास इसके लिए एक अलग स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहता था, जो हुक्के से जुड़ी सभी तैयारियों का ध्यान रखता था। इस हुक्का डिप्लोमेसी के कारण सीएसके आपस में जुड़ी रिती थी।

विराट आईपीएल के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल के 19 सत्र में शामिल होने के लिए बेंगलुरु पहुंचकर अपनी टीम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ गये हैं। विराट के यहां पहुंचने के साथ ही आरसीबी के खेमे में उत्साह की लहर फैल गयी। विराट का प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों को भी इंतजार था। , बेंगलुरु पहुंचने से पहले कोहली इंग्लैंड में थे पर वहां भी वह तैयारी जारी रखे थे। उन्होंने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी की थी जिसे आरसीबी ने भी साझा किया है। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में तेजी आने की उम्मीद है।

आरसीबी को इस सत्र में अपना पहला मैच 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इससे वह खिताब बराकरार रखने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में उसने रजत पाटीदार की कप्तानी में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट की अहम भूमिका रही है। विराट ने पिछले सत्र में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 8 अर्धशतक लगाये थे।

ऐसे में टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह इस बार भी अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलायें।

विराट शुरुआती सत्र से ही आरसीबी से जुड़े हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाते आये हैं। कोहली आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सबसे अधिक रन और शतक हैं। कोहली ने साल 267 मैचों में 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। वह साल 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं।

पंड्या की कप्तानी में खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी मुम्बई : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी। हरभजन के अनुसार पंड्या का लक्ष्य पिछले 5 सालों से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करना रहेगा। हरभजन के अनुसार जीत के लिए पंड्या को आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज में कप्तानी करनी होगी। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि मुम्बई को सलामी जोड़ी को लेकर भी अपनी स्थिति साफ करनी चाहिये। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की भूमिका भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हार्दिक को अपने स्वाभाविक अंदाज में ही खेलना चाहिये। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ गेम दिखाना होगा। उन्हें बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अहम भूमिका निभानी होनी।

जिस प्रकार उन्होंने टी 20 विश्व कप में गेंदबाजी की थी वैसी ही उन्हें आईपीएल में भी करनी होगी। उन्होंने कहा, जब कोई कप्तान आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करता है और रास्ता दिखाता है, तो बाकी खिलाड़ी भी उसका साथ देते हैं। यह सब भरोसे पर निर्भर करेगा। अगर हार्दिक और उनकी टीम पहले दिन से ही तय कर ले कि उनका लक्ष्य खिताब जीतना है तो मुम्बई टीम को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पायेगा। वहीं ryan रिकल्टन और क्विंटन डी कॉक को अंतिक ग्यारह में रखे जाने के सवाल पर , हरभजन ने कहा कि दोनो को एकसा रखे जाने की संभावना नहीं है। इन दोनों में से कोई एक ही शुरुआत में रखा जाएगा। दोनों को एक साथ उतारना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास रोहित शर्मा सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे शीर्ष बल्लेबाज हैं।

डी विलियर्स ने बुमराह को बताया टी20 का महान खिलाड़ी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर रहे एबी डी डीविलियर्स ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टी20 का सबसे महान खिलाड़ी बताया है। डीविलियर्स के अनुसार क्रिस गेल, विराट कोहली और राशिद भी शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं पर बुमराह की बात ही कुछ और है। डीविलियर्स के अनुसार बुमराह को सबसे आगे बताने का कारण ये है कि हालात कैसे भी हों वह टीम को मैच जिताने की क्षमता रखते हैं डीविलियर्स के अनुसार बुमराह में कई प्रकार की खूबियां हैं। वह नई और पुरानी गेंद, दोनों से प्रभावी गेंदबाजी करते हैं। इसके अलावा दबाव में विकेट लेने की क्षमता, डेथ ओवरों में शानदार प्रदर्शन, सुपर ओवर जैसे कठिन अवसरों पर मैच जिताने की क्षमता उनमें है। कुल मिलाकर देखो जाये तो आप किसी भी समय गेंद बुमराह को दे सकते हैं, और वह मैच जिता सकते हैं। डीविलियर्स ने अपनी करियर के दौरान आइपीएल सहित दुनिया की कई टी20 लीग खेली हैं। आरसीबी के लिए खेलते हुए उन्होंने गेल और विराट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया हैं। ऐसे मे उनका बुमराह को सबसे बेहतर बताना काफी महत्व रखना है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकीब जावेद ने भी बुमराह की जमकर प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि बुमराह का अनोखा एक्शन बल्लेबाजों को लय में नहीं आने देता। इसी दौरान उन्होंने बुमराह की तुलना पाक के युवा स्पिनर उस्मान तारिक से कर दी। जिसके बाद प्रशंसकों ने उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रॉल करते हुए कहा कि बुमराह के सामन तारिक कहीं नहीं हैं। ऐसे में तुलना नहीं हो सकती। आकिब की तुलना को लेकर सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी भी जतायी। उनका कहना था कि इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिये। कई लोगों ने इसे गलत तुलना बताया, कुछ ने बुमराह की क्लास को अलग स्तर का बताया। आम तौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजों को ही महान माना जाता है पर जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने बुमराह को महान बताया है, उससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी कितनी प्रभावशाली है।

मियामी ओपन में केटी बोल्टर ने की जीत के साथ शुरुआत

फ्लोरिडा (अमेरिका)।ब्रिटिश की नंबर तीन खिलाड़ी केटी बोल्टर ने मियामी ओपन में अपने अभियान की शुरुआत पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बुजास मानेइरो पर जीत के साथ की। बोल्टर ने दुनिया की 48वें नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ पहले सेट के टाई-ब्रेक में 6-2 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए छह सेट पॉइंट बचाए।

बोल्टर ने स्पेन की मानेइरो को 7-6 (11-9), 6-4 से हराया। बोल्टर ने पिछले महीने ओस्ट्रावा ओपन जीता था और टॉप 100 से बाहर होने के बाद अब रैंकिंग में 67वें स्थान पर पहुच गई हैं। मुकाबला जीतने के बाद बोल्टर ने कहा, 'मुझे पता है कि वह कितनी अच्छी खिलाड़ी हैं और आज रात हमारे टेनिस का स्तर और गुणवत्ता काफी अच्छी थी। यह मुश्किल था। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे हर बार एक' विनर 'शॉट मारना होगा, वरना वह मार देंगी।' बोल्टर गुरुवार को दूसरे राउंड में डेनमार्क की दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी क्लारा टौसन से भिड़ेंगी।

सीएसके ने फोस्टर को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फोस्टर को टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। फोस्टर टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके जिम्मेदारी टीम के खिलाड़ियों के क्षेत्ररक्षण कौशल को निखारना रहेगा। पिछले सत्र में टीम इस क्षेत्र में कमजोर साबित हुई थी। फोस्टर को कोच के तौर पर लंबा अनुभव है और इसी को देखते हुए सीएसके ने उन्हें जोड़ा है। सीएसके के पास पहले ही कोचिंग स्टाफ में माइकल हसी और एरिक सिमंस जैसे दिग्गज हैं, इसके बाद भी फोस्टर को शामिल करने से साफ है कि टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है।

फोस्टर ने साल 2001 से 2009 के बीच इंग्लैंड के लिए 23 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। साल 2018 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में काफी अनुभव वह सफलता हासिल की है। हाल ही में उनके मार्गदर्शन में जनवरी 2026 में डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी 20 खिताब जीता था। इसके अलावा वह द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच भी रहे हैं। फोस्टर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम के भी कोच रहे हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ क्षेत्ररक्षण के सहायक कोच रहे हैं। ऋतुराज की कप्तानी में सीएसके अपने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में करेगी। इसके बाद टीम 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मैच खेलेगी। शुरुआती मुकाबलों में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उसे खेलना है। पीछले सत्र में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे वहीं इस बार टीम ने कई नये खिलाड़ियों के साथ ही कोचिंग स्टाफ में भी बदलावा किया है जिससे उसे जीत की उम्मीद रहेगी।

भारत थॉमस और उबेर कप में गत चैंपियन चीन के ग्रुप में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला टीम को क्रमशः थॉमस और उबेर कप के लिए मुश्किल ड्रॉ मिले हैं क्योंकि उन्हें 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए बुधवार को मौजूदा चैंपियन चीन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों भारतीय टीम को उनके खिलाड़ियों की व्यक्तिगत विश्व रैंकिंग के आधार पर आठवीं वरीयता दी गई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) ने बुधवार को ड्रॉ की घोषणा की। थॉमस कप 2022 चैंपियन भारत ग्रुप 'ए' से क्वार्टर फाइनल के दो स्थान में से एक अपने नाम करने का प्रबल दावेदार है।

इस ग्रुप में पैन अमेरिका चैंपियन कनाडा और ओसियाना चैंपियन ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। हालांकि भारतीय महिला टीम के लिए नॉकआउट चरण तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है क्योंकि उसे 16 बार की चैंपियन चीन के अलावा, यूरोपीय टीम चैंपियनशिप के उपविजेता डेनमार्क और कांस्य पदक विजेता यूक्रेन के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा ने ड्रॉ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें ठीक-ठाक ड्रॉ मिला है और थॉमस कप तथा उबेर कप दोनों ही प्रतियोगिताओं में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने का मौका है। हमारी टीम काफी मजबूत है जिसने यह साबित किया है कि अपने दिन पर वह किसी भी शीर्ष टीम को हरा सकती है और एक बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद कुछ भी संभव है।'

भारतीय पुरुष टीम ने थॉमस कप के 2022 सत्र को जीतकर इतिहास रचा था जबकि महिला टीम ने 2014 और 2016 के सत्र में कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम 2024 में हुए पिछले टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में चीन से हार गई थी जबकि महिला टीम भी जापान से हारने के बाद क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। चीन के पास मजबूत पुरुष टीम है जिसमें शी युकी (दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी) और ली शी फेंग (दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी) के अलावा वेंग होंग यांग (दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी) और लू गुआंग झू (दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी) शामिल हैं।

हालांकि भारत को लक्ष्य सेन की हालिया फॉर्म से आत्मविश्वास मिलेगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक 2024 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इस खिलाड़ी ने इस महीने की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहने के दौरान फेंग को हराया था। भारत ने 2022 में बैंकॉक में अपना पहला थॉमस कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। फाइनल में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर ट्रॉफी जीतने वाला भारत केवल छठा देश बना था।

भारत ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ पुरुष टीम रैंकिंग में अपनी स्थिति के आधार पर 2026 थॉमस कप के लिए क्वालीफाई किया। महिला टीम ने भी विश्व रैंकिंग के जरिए उबेर कप में अपनी जगह पक्की की। चार-चार टीम के चार ग्रुप में बांटी कुल 16 टीम राउंड रोबिन लीग खेलेंगी जिसमें हर मुकाबले में पांच मैच (तीन एकल और दो युगल) होंगे। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

थॉमस कप ड्रॉ

ग्रुप ए : चीन, भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, **ग्रुप बी :** जापान, मलेशिया, इंग्लैंड, फिनलैंड , **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, डेनमार्क, कोरिया, स्वीडन **ग्रुप डी:** इंडोनेशिया, फ्रांस, थाईलैंड, अल्जीरिया।

उबेर कप ड्रॉ

ग्रुप ए: चीन, भारत, डेनमार्क, यूक्रेन **ग्रुप बी:** जापान, मलेशिया, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका **ग्रुप सी:** चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया **ग्रुप डी:** कोरिया, थाईलैंड, बुल्गारिया, स्पेन।

दक्षिण कोरिया को हराकर जापान महिला एशियाई कप के फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया से होगा सामना

सिडनी । जापान की महिला फुटबॉल टीम ने बुधवार को यहां दक्षिण कोरिया पर 4-1 की जीत से महिला एशियाई कप के फाइनल में जगह बनाई जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। सेमीफाइनल में जापान का दबदबा रहा जिसमें रिको उएकी और माइका हमानो ने पहले हाफ में गोल करके बढ़त दिलाई। पहले हाफ में आओबा फुजिनो के 43वें मिनट में गोल को वीएआर समीक्षा के बाद अमान्य घोषित कर दिया गया। वरना पहले हाफ का स्कोर 3-0 हो सकता था। 75वें मिनट में अनुभवी डिफेंडर साकी कुमागाई ने मोमोको तानिकावा की कॉर्नर किक पर हेडर से टीम का तीसरा गोल किया। फीफा रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज एशिया की शीर्ष टीम जापान के इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में गोलों की संख्या 27 हो गई है। वहीं जापान की टीम ने इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई गोल खाया जब 78वें मिनट में कांग चे-रिम ने बेहद करीब से जोरदार शॉट लगाते हुए गोल कर दिया। फिर जापान के लिए रेमिना चिबा ने 81वें मिनट में एक जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 4-1 कर दिया। अब फाइनल मुकाबला शनिवार को सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन चीन को 2-1 से हराया था।

पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है : पीवी सिंधू

गुरुग्राम (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है। पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने लगा था। उन्होंने कहा, 'मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते।'

सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी।' उन्होंने कहा, 'कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं।'

सिंधू ने कहा, 'सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें।' तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही।

सिंधू ने कहा, 'हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, 'चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं।'

उन्होंने 2015 को याद किया जब उनके बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हो गया था जिससे उनका करियर खत्म होने का खतरा पैदा हो गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। इसके चलते 2016 के ओलंपिक से पहले उनके पास तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा था। इसके बावजूद रियो डि जिनेरियो में हुए उन खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मामला गंभीर था। कई हफ्तों तक दर्द के साथ खेलने के बाद मैं ठीक समय पर डॉक्टर के पास पहुंच पाई। मेरे मन में खुद को लेकर शक पैदा हुआ था कि क्या मैं दोबारा खेल पाऊंगी या नहीं।'

10 जुलाई से शुरु होंगे ओलंपिक में फुटबॉल मुकाबले : आईओसी

एथेंस । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मुकाबले उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले ही शुरू हो जाएंगे। आईओसी के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्गों के मुकाबले 10 जुलाई से शुरु होंगे। ये ये मुकाबले अमेरिका के सात शहरों में होंगे। वहीं ग्रुप स्तर और क्वार्टर फाइनल मुकाबले न्यूयॉर्क, कोलंबस, नैशविले और सेंट लुई में रखे गये हैं जबकि नॉकआउट मुकाबले कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में आयोजित होंगे। इन शहरों को उपलब्ध विश्वस्तरीय सुविधाएं होने के कारण ही बड़े मुकाबलों के आयोजन का अवसर मिला है। वहीं फुटबॉल का खिताबी मुकाबला ऐतिहासिक रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम में ही साल1994 पुरुष फुटबॉल विश्व कप, 1999 महिला विश्व कप और 1984 ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था। आईओसीके नए कार्यक्रम के अनुसार टीमों को पिछले ओलंपिक के मुकाबले आराम के लिए दो दिन और मिलेंगे। इससे खिलाड़ियों को हालातों से उबरने का अच्छा अवसर मिलेगा। फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम शेड्यूल इस साल के अंत तक जारी किया जाएगा। ओलंपिक 2028 में फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव इसलिए किया जा रहा है जिससे यह टूर्नामेंट पहले से ज्यादा रोमांचक बन सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैत्र नवरात्र

परम्परा और संस्कृति का पर्व

हमारे वेद, पुराण व शास्त्र साक्षी हैं कि जब-जब किसी आसुरी शक्तियों ने अत्याचार व प्राकृतिक आपदाओं द्वारा मानव जीवन को तबाह करने की कोशिश की तब-तब किसी न किसी दैवीय शक्तियों का अवतरण हुआ। इसी प्रकार जब महिषासुरादि दैत्यों के अत्याचार से भू व देव लोक व्याकुल हो उठे तो परम पिता परमेश्वर की प्रेरणा से सभी देवगणों ने एक अद्भुत शक्ति का सृजन किया जो आदि शक्ति मां जगदंबा के नाम से सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त हुईं। उन्होंने महिषासुरादि दैत्यों का वध कर भू व देव लोक में पुनःप्राण शक्ति व रक्षा शक्ति का संचार कर दिया। शक्ति की परम कृपा प्राप्त करने हेतु संपूर्ण भारत में नवरात्रि का पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 11 अप्रैल शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारम्भ होगी। प्रतिपदा तिथि के दिन शारदिय नवरात्रों का पहला नवरात्र होगा। माता पर श्रद्धा व विश्वास रखने वाले व्यक्तियों के लिये यह दिन विशेष रहेगा। 20 अप्रैल को नवरात्र पूर्ण हो जाएंगे। नवरात्रि का अर्थ होता है, नौ रातें। हिन्दू धर्मानुसार यह पर्व वर्ष में दो बार आता है। एक शरद माह की नवरात्रि और दूसरी बसंत माह की। इस पर्व के दौरान तीन प्रमुख हिंदू देवियों- पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ स्वरुपों श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है। जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं।

नव दुर्गा- श्री दुर्गा का प्रथम रूप श्री शैलपुत्री हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण ये शैलपुत्री कहलाती हैं। नवरात्र के प्रथम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इसके आलावा श्री दुर्गा का द्वितीय रूप श्री ब्रह्मचारिणी का हैं। यहां ब्रह्मचारिणी का तात्पर्य तपश्चारिणी है। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप से प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। अतः ये तपश्चारिणी और ब्रह्मचारिणी के नाम से विख्यात हैं। नवरात्रि के द्वितीय दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। श्री दुर्गा का तृतीय रूप श्री चंद्रघंटा है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। नवरात्रि के तृतीय दिन इनका पूजन और अर्चना किया जाता है। इनके पूजन से साधक को मणिपुर चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वतः प्राप्त हो जाती हैं तथा सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। श्री दुर्गा का चतुर्थ रूप श्री कूष्मांडा हैं। अपने उदर से अंड अर्थात् ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्मांडा देवी के नाम से पुकारा जाता है। नवरात्रि के चतुर्थ दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। श्री कूष्मांडा की उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक नष्ट हो जाते हैं। श्री दुर्गा का पंचम रूप श्री स्कंदमाता हैं। श्री स्कंद (कुमार कार्तिकेय) की माता होने के कारण इन्हें स्कंदमाता कहा जाता है। नवरात्रि के पंचम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इनकी आराधना से विशुद्ध चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वतः प्राप्त हो जाती हैं। श्री दुर्गा का षष्ठम् रूप श्री कात्यायनी। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था। इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। नवरात्रि के षष्ठम दिन इनकी पूजा और आराधना होती है। श्रीदुर्गा का सप्तम रूप श्री कालरात्रि हैं। ये काल का नाश करने वाली हैं, इसलिए कालरात्रि कहलाती हैं। नवरात्रि के सप्तम दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। इस दिन साधक को अपना चित्त भानु चक्र (मध्य ललाट) में स्थिर कर साधना करनी चाहिए। श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णतः गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। श्री दुर्गा का नवम् रूप श्री सिद्धिदात्री हैं। ये सब प्रकार की सिद्धियों की दाता हैं, इसीलिए ये सिद्धिदात्री कहलाती हैं। नवरात्रि के नवम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है।

नवरात्रि का महत्व एवं मनाने का कारण

नवरात्रि काल में रात्रि का विशेष महत्व होता है। देवियों के शक्ति स्वरुप की उपासना का पर्व नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक, निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। नवरात्रि के नौ दिनों में आदिशक्ति माता दुर्गा के उन नौ रूपों का भी पूजन किया जाता है जिन्होंने सृष्टि के आरम्भ से लेकर अभी तक इस पृथ्वी लोक पर विभिन्न लीलाएँ की थीं। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। नवरात्रि के समय रात्रि जागरण अवश्य करना चाहिये और यथा संभव रात्रिकाल में ही पूजा हवन आदि करना चाहिए। नवदुर्गा में कुमारिका यानि कुमारी पूजन का विशेष अर्थ एवं महत्व होता है।कहीं-कहीं इन्हें कन्या पूजन के नाम से भी जाना जाता है। जिसमें कन्या पूजन कर उन्हें भोज प्रसाद दान उपहार आदि से कुमारी कन्याओं की सेवा की जाती है। आश्विन मास के शुक्लपक्ष कि प्रतिपद्रा से लेकर नौं दिन तक विधि पूर्वक व्रत करें। प्रातः काल उठकर स्नान करके, मन्दिर में जाकर या घर पर ही नवरात्रों में दुर्गाजी का ध्यान करके कथा पढ़नी चहिए। इस व्रत में उपवास या फलाहार आदि का कोई विशेष नियम नहीं है। कन्याओं के लिये यह व्रत विशेष फलदायक है। कथा के अन्त में बारम्बार 'दुर्गा माता तेरी सदा जय हो' का उच्चारण करें ।

गुप्त नवरात्रि

हिंदू धर्म के अनुसार एक वर्ष में चार नवरात्रि होती है। वर्ष के प्रथम मास अर्थात चैत्र में प्रथम नवरात्रि होती है। चौथे माह आषाढ़ में दूसरी नवरात्रि होती है। इसके बाद अश्विन मास में प्रमुख नवरात्रि होती है। इसी प्रकार वर्ष के ग्यारहवें महीने अर्थात माघ में भी गुप्त नवरात्रि मनाने का उल्लेख एवं विधान देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। इनमें अश्विन मास की नवरात्रि सबसे प्रमुख मानी जाती है। इस दौरान पूरे देश में गरबों के माध्यम से माता की आराधना की जाती है। दूसरी प्रमुख नवरात्रि चैत्र मास की होती है। इन दोनों नवरात्रियों को क्रमशः शारदीय व वासंती नवरात्रि के नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त आषाढ़ तथा माघ मास की नवरात्रि गुप्त रहती है। इसके बारे में अधिक लोगों को जानकारी नहीं होती, इसलिए इन्हें गुप्त नवरात्रि कहते हैं। गुप्त नवरात्रि विशेष तौर पर गुप्त सिद्धियां पाने का समय है। साधक इन दोनों गुप्त नवरात्रि में विशेष साधना करते हैं तथा चमत्कारिक शक्तियां प्राप्त करते हैं।

विजय का संदेश देती देता

गुड़ी पड़वा

गुड़ी यानी विजय पताका। भोग पर योग की विजय, वैभव पर विभूति की विजय और विकास पर विचार की विजय। मंगलता और पवित्रता को वातावरण में सतत प्रसारित करने वाली इस गुड़ी को फहराने वाले को आत्मनिरीक्षण करके यह देखना चाहिए कि मेरा मन शांत, स्थिर और सात्विक बना या नहीं? सोते हुए के कानों में सांस्कृतिक शंख ध्वनि फूंकने और मृत मानव के शरीर में जीवन संचार करने के लिए आज भी ऐसे शालिवाहनों की जरूरत है। मानव मात्र में ईश्वर दत्त विशिष्ट शक्तियां हुई हैं। आवश्यकता है मात्र उन्हें जगाने की। समुद्र लांघने के समय सिर पर हाथ रखकर बैठे हुए हनुमान को जरूरत है पीठ पर हाथ फेरकर विश्वास देने वाले जांबवंत की। शस्त्र त्याग कर बैठे हुए अर्जुन को जरूरत है उत्साहप्रेरक मार्गदर्शक कृष्ण की। संस्कृति के सपूत और गीता के युवकों का सत्कार करने के लिए आज का समाज भी तैयार है। आज के दिन पुरुषार्थी और पराक्रमी सांस्कृतिक वीर बनने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए। ऐसी कई लोगों की मान्यता है कि इसी दिन श्री रामचंद्रजी ने बाली के जुल्म से दक्षिण की प्रजा को मुक्त किया था। बाली के त्रास से मुक्त हुई प्रजा ने घर-घर में उत्सव मनाकर गुड़ियां (ध्वजाएं) फहराईं। आज भी घर के आंगन में गुड़ी खड़ी करने की प्रथा महाराष्ट्र में प्रचलित है। इसीलिए इस दिन को गुड़ी पड़वा नाम मिला है। घर के आंगन में जो गुड़ी खड़ी की जाती है, वह विजय का संदेश देती है। घर में बाली का (आसुरी संपत्ति का राम यानी देवी संपत्ति ने) नाश किया है, ऐसा उसमें सूचक है।

कैसे हुआ शालिवाहन शक का प्रारंभ

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा कहते हैं। वर्ष के साढ़े तीन मुहूर्तों में गुड़ी पड़वा की गिनती होती है। शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। शालिवाहन नामक एक कुम्हार के लड़के ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिटक कर उसको सजीव बनाया और उसकी मदद से प्रभावी शत्रुओं का पराभव किया। इस विजय के प्रतीक रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ हुआ। शालिवाहन ने मिट्टी की सेना में प्राणों का संचार किया, यह एक लाक्षणिक कथन है। उसके समय में लोग बिलकुल चैतन्यहीन, पौरुषहीन और पराक्रमहीन बन गए थे। इसलिए वे शत्रु को जीत नहीं सकते थे। मिट्टी के मुर्दों को विजयश्री कैसे प्राप्त होगी? लेकिन शालिवाहन ने ऐसे लोगों में चैतन्य भर दिया। मिट्टी के मुर्दों में, पत्थर के पुतलों में पौरुष और पराक्रम जाग पड़ा और शत्रु की पराजय हुई।

क्या है?

वर्ष प्रतिपदा एवं नव संवत्सर

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा वर्ष प्रतिपदा कहलाती है। इस दिन से ही नया वर्ष प्रारंभ होता है। इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनकी निर्माण की हुई सृष्टि के मुख्य-मुख्य देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्वों, ऋषि-मुनियों, मनुष्यों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीटाणुओं का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का पूजन किया जाता है।

इस दिन से नया संवत्सर शुरू होता है अतः इस तिथि को नव-संवत्सर भी कहते हैं। संवत्सर अर्थात् बारह महीने का काल विशेष। संवत्सर उसे कहते हैं, जिसमें सभी महीने पूर्णतः निवास करते हो।

संवत्सर क्या है?

भारतीय संवत्सर वैसे तो पांच प्रकार के होते हैं। इनमें से मुख्यतः तीन हैं- सावन, चान्द्र तथा सौर।

सावन - यह 360 दिनों का होता है। संवत्सर का मोटा-सा हिसाब इसी से लगाया जाता है। इसमें एक माह की अवधि पूरे तीस दिन की होती है।

चैत्र ही एक ऐसा माह है जिसमें वृक्ष तथा लताएं पल्लवित व पुष्पित होती हैं। इसी मास में उन्हें वास्तविक मधुरस पर्याप्त मात्रा में मिलता है। वैशाख मास, जिसे माधव कहा गया है, में मधुरस का परिणाम मात्र मिलता है।

चान्द्र - यह 354 दिनों का होता है। अधिकतर माह इसी संवत्सर द्वारा जाने जाते हैं। यदि मास वृद्धि हो तो इसमें तेरह मास अन्यथा सामान्यतया बारह मास होते हैं। इसमें अंगरेजी हिसाब से महीनों का विवरण नहीं है बल्कि इसका एक माह शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक या कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से पूर्णिमा तक माना जाता है। इसमें प्रथम माह को अमांत और द्वितीय माह को पूर्णिमांत कहते हैं। दक्षिण भारत में अमांत और पूर्णिमांत माह का ही प्रचलन है। धर्म-कर्म, तीज-त्योहार और लोक-व्यवहार में इस संवत्सर की ही मान्यता अधिक है।

सौर - यह 365 दिनों का माना गया है। यह सूर्य के मेष संक्रांति से आरंभ होकर मेष संक्रांति तक ही चलता है

नए वर्ष के स्वागत का पर्व

चैत्र पक्ष वर्ष प्रतिपदा के दिन गुड़ी उभार कर संवत्सर का स्वागत किया जाता है। इस उत्सव को वैसे तो सभी मराठी भाषी पूरे उत्साह से मनाते हैं लेकिन उन परिवारों में इसको मनाने का उत्साह और बढ़ जाता है जिनके यहां नई बहू आती है। नई बहू से गुड़ी पूजन का विशेष महत्व होता है। इसका महत्व यह बताया गया है कि घर की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपी जाए। इस दिन घर के लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं। नई बहू और बेटे से संयुक्त रूप से गुड़ी का पूजन कराया जाता है। फिर घर के सभी लोग पूजन करते हैं। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। विक्रम संवत के महीनों के नाम आकाशीय नक्षत्रों के उदय और अस्त होने के आधार पर रखे गए हैं। सूर्य, चन्द्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं। मान्यता है कि इस दिन दुर्गा जी के आदेश पर श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था। सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चन्द्रमा में शीतलता, शांति और समृद्धि का प्रतीक सूर्य और चन्द्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है।

नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए - हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों। दुर्गा जी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजा कर पूजा का मंगल कार्य संपन्न करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोए और अपने घर में पूजा स्थल में रखें। स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

- एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान राम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान राम के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।

- एक अन्य मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही सृष्टि की रचना की। श्री विष्णु भगवान ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।

- यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ। धार्मिक दृष्टि से फल, फूल, पत्तियां, पौधों तथा वृक्षों का विशेष महत्व है।

चैत्र मास में पेड़-पौधों पर नई पत्तियों आ जाती हैं तथा नया अनाज भी आ जाता है जिसका उपयोग सभी देशवासी वर्षभर करते हैं, उसको नजर न लगे, सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे, पूरे वर्ष में आने वाले सुख-दुख सभी मिलकर झेल सकें, ऐसी कामना ईश्वर से करते हुए नए वर्ष और नए संवत्सर के स्वागत का प्रतीक है गुड़ी पड़वा।

हर मराठी भाषी के घर में विजय पताका के रूप में गुड़ी लगाई जाती है। महिलाएं रंगोली से आंगन तथा गुड़ी लगाने के स्थान को सजाती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। घटनाक्रम के अनुसार, जज प्रशांत कुमार बीती 16 मार्च 2026 को एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई 1720 से दिल्ली से लखनऊ की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब उन्हें भोजन परोसा गया, तो वह सड़ा हुआ था। जज का कहना है कि इस प्रकार का असुरक्षित भोजन यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। जब उन्होंने इस गंभीर लापरवाही की शिकायत केबिन क्रू सदस्य मनप्रीत और प्रीति से की, तो उन्होंने समस्या का समाधान करने के बजाय उनके साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। विमान के लखनऊ लैंड होने के बाद भी विवाद थमा नहीं। आरोप है कि एयरलाइन के कस्टमर सर्विस कर्मचारी सुफ्यिान ने भी जज के साथ बदसलूकी की और उन्हें साक्ष्य के तौर पर फंगस लगा हुआ खाना फ्लाइट से बाहर ले जाने से जबरन रोक दिया। एनसीआर में जज ने मांग की है कि यात्रियों को दूषित भोजन परोसना और शिकायत करने पर उनके अधिकारों का हनन करना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में एफ्आईआर दर्ज कर गहन जांच करने और दोषी कर्मचारियों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे विमान सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा और खान-पान की गुणवत्ता पर एक बार फ्रि सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत का बड़ा दांव : रुस से तेल लेकर चीन जा रहा टैंकर... अचानक से भारत की ओर चल दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजरायल में बीच छिड़े युद्ध के बाद तेल की संकट ने पूरी दुनिया को अपने गिरफ्त में ले लिया है। इस संकट के बीच भारत का दम दुनिया भर में दिख रहा है। बीते दिनों होर्मुज स्ट्रेट से भारत के दो जहाज सही सलामत गैस लेकर गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचे थे। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया है। दरअसल दक्षिण चीन सागर में एक रूसी तेल से लदा टैंकर अचानक मुड़ गया। यह मूल रूप से चीन के रिजाओ बंदरगाह की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अब तेजी से भारत की ओर आ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने मौजूदा स्थिति में रूस से तेल आयात बढ़ाने का फैसला किया है। यह बदलाव ईरान में चल रही जंग के कारण मध्य पूर्व से तेल सप्लाई रुकने के बाद भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए हुआ है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से जनवरी के अंत में उराल्स क्रूड ऑयल लोड करके निकला था। शुरू में इसका डेस्टिनेशन चीन का रिजाओ पोर्ट था। लेकिन मार्च के मध्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई पानी में पहुंचते ही टैंकर ने यू-टर्न ले लिया। अब यह 21 मार्च को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचने वाला है। डेटा के मुताबिक, अमेरिका ने भारत को रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से बढ़ाने की छूट दी, ठीक उसी के कुछ दिन बाद यह बदलाव हुआ। इससे पहले भारत ने रूसी तेल कम खरीदना शुरू कर दिया था, जिससे कई कार्गो चीन की ओर चले गए थे। अब स्थिति बदल गई है।

गाजियाबाद मेयर का विवादित बयान...घरों में अधिक कार होने से बढ़ा रहा सड़कों पर ट्रैफिक

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले में ट्रैफिक जाम को लेकर मेयर सुनीता दयाल का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शहर में जाम की समस्या का मुख्य कारण लोगों के बढ़ते जीवन स्तर और घरों में अधिक कारें होना है। मेयर ने बताया कि पहले एक घर में एक ही गाड़ी होती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, इसकारण सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों का चौड़ीकरण केवल उपलब्ध जगह के अनुसार ही संभव है और लोगों के मकान तोड़कर सड़क बढ़ाना असंभव है। हालांकि, स्थानीय लोग तर्क से असहमत होकर कहते हैं कि शहर की कई मुख्य सड़कें अतिक्रमण की वजह से संकरी हो गई हैं। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अवैध कब्जे ट्रैफिक को और बाधित करते हैं। उनका कहना है कि ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन, नगर निगम और विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी है। केवल लोगों के बढ़ते वाहन को दोष देना समस्या के वास्तविक कारणों से ध्यान हटाने जैसा है। शहर में रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। नोएडा में काम करने वाले लोग नेशनल हाईवे-9 पर जाम का सामना करते हैं, जबकि मोहननगर मार्ग से दिल्ली जाने वाले लोग जीटी रोड पर लंबी कतारों में फंसते हैं। कार्यक्रम में हाउस टैक्स पर पूछे गए सवाल पर मेयर ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स लागू नहीं किया जाएगा और नगर निगम अधिकारियों को बढ़ी हुई दर पर बिल जारी करने से रोका गया है। बावजूद इसके, कई जगहों पर पहले ही बढ़ी हुई दर के बिल जारी किए जा चुके हैं। इस बयान ने गाजियाबाद में ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण पर बहस को और तेज कर दिया है।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प, एक ग्रामीण की मौत, कई पुलिस वाले घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के असिया गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प हुई। घटना तब हुई जब पुलिस पॉक्सो एक्ट के आरोपी भिखारी राय और अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने पहुंची थी। पुलिस के अनुसार, छापेमारी के दौरान आरोपी पक्ष ने शोर मचाकर ग्रामीणों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव किया गया और कथित रूप से फायरिंग भी की गई। स्थिति बिगड़ने पर गायघाट थानाध्यक्ष राजा सिंह ने आत्मरक्षा में गोली चलाने की बात कही है। इस घटना में ग्रामीण जगतवीर राय की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं मृतक के परिजनों ने पुलिस पर सीधा आरोप लगाया है कि जगतवीर राय को नजदीक से गोली मारकर हत्या की गई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल भी रहा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल पहल की और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ उन्हें लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उद्योग से जुड़े मुद्दों को सीधे संबंधित मंत्री के सामने रखने का प्रयास किया गया, ताकि समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

बैठक हालांकि कुछ ही मिनटों तक चली, लेकिन इसमें कई अहम विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योग पर नए नियमों के प्रभाव, नीतिगत बदलावों की आवश्यकता और कारोबार में आ रही बाधाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सूत्रों के अनुसार, डेलिगेशन ने केंद्र सरकार से नियमों में राहत और स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की है, जिससे उद्योग को स्थिरता मिल सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने भी समस्याओं को सुनकर उन्हें सकारात्मक रूप से देखने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को उद्योग और राजनीति के बीच समन्वय के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जहां जनप्रतिनिधियों ने सीधे तौर पर व्यापारिक समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया। आने वाले समय में इस बैठक के परिणामस्वरूप नीतिगत स्तर पर कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सांसद टी राजा सिंह को फिर मिली जान से मरने की धमकी

हैदराबाद (एजेंसी)। गोशामहल विधानसभा के सांसद टी राजा सिंह को बुधवार को उनके आवास पर एक अज्ञात प्रेषक से जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि राजा सिंह, 27 मार्च को आपकी आखिरी रामनवमी होगी। तेलंगाना पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। जनवरी में भी बीजेपी सांसद सिंह को इसी तरह का एक पत्र मिला था, जो कथित तौर पर अब्दुल हाफिज नाम के एक व्यक्ति ने भेजा था। पत्र में अपशब्दों का प्रयोग किया गया था और दावा किया गया था कि पुलिस उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। बीजेपी नेता सिंह ने तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, आयुक्त और मुख्यमंत्री से बार-बार मिल रही धमकियों के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की अपील की है। सांसद सिंह ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार को पत्र लिखकर आगामी राम नवमी जुलूस के लिए पुलिस सुरक्षा देने से इंकार कर दिया। उन्होंने सुरक्षा से इंकार करने के कारणों के रूप में बार-बार उत्पीड़न, लाठीचार्ज और पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान टास्क फोर्स कर्मियों द्वारा बल प्रयोग का हवाला दिया। सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में, सुरक्षा के बहाने तैनात पुलिसकर्मियों ने जुलूस को बाधित किया और कई बार श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज भी किया। उन्होंने अनीता टावर्स, पुराना पुल, बेगम बाजार छतरी और सिद्दीअंबर बाजार मस्जिद के पास हुई घटनाओं का जिक्र किया, जिनसे श्रद्धालुओं में भय और तनाव का माहौल बना।

क्या गंगा नदी में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते... अखिलेश ने उठाए सवाल

-5-स्टार जहाज को लेकर योगी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। काशी में गंगा नदी में नाव पर रोजा इफ्तार करने वाले मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी पर सियासत शुरू हो चुकी है। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पूछा है कि क्या गंगा में रोजा इफ्तार नहीं कर सकते? डीएम, एसपी और एसओ को इफ्तारी देनी चाहिए थी। हथेली गरम....तब पुलिस नरम। उन लोगों ने हथेली गरम नहीं की होगी, इसकारण उन पर कार्रवाई हुई। इस दौरान अखिलेश का इशारा रिश्वत की तरफ था।

वहीं कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। उन्होंने लिखा कि पुलिस मुसलमानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए उतावली दिख रही है। युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया। नरेन्द्र मोदी जी क्या यही है सबका साथ, सबका विकास का नारा। जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुकदमा दर्ज होगा। वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि गंगा की पवित्रता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। दरअसल, बनारस में गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी हुई थी। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था। लखनऊ में इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश ने कहा कि ये सब हमारे-आपके बीच में दूरियां पैदा करने के लिए किया जा रहा है। प्रशासन ऐसी कार्रवाई कर यूपी सरकार को खुश करने के लिए कर रहा। एक 5-स्टार जहाज चला था। उसमें महंगी-महंगी शराब थी। उसके टॉयलेट का वेस्ट गंगा में जा रहा था। उस जहाज के मालिक पर क्या कार्रवाई हुई? उस समय जो गड्ढे खोदकर छोड़ गए थे, उसकी गंदगी गंगा में पहुंची। उस पर क्या एक्शन हुआ?

उत्तराखंड में धामी सरकार 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना में

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में धामी सरकार राज्यभर में 51 रोपवे प्रोजेक्ट्स विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। करीब 160.75 किलोमीटर लंबे इस मास्टरप्लान के तहत पहाड़ों के कई धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोपवे से जोड़ने की तैयारी है। इन 51 में से 2 रोपवे प्रोजेक्ट्स पर फिलहाल काम तेजी से काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब सहित 4 मेगा रोपवे प्रोजेक्ट्स पर जल्द निर्माण कार्य शुरू होने की तैयारी है। इसके अलावा कई अन्य रोपवे प्रोजेक्ट्स फिलहाल डीपीआर और प्री-फिजिबिलिटी स्टडी के चरण में हैं, जिन पर उत्तराखंड रोपवे डेवलपमेंट लिमिटेड (यूआरडीएल) के जरिए आगे की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित नेटवर्क में सबसे ज्यादा रोपवे पौड़ी जिले में बनने का प्लान है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक दीपक खंडूरी के मुताबिक रोपवे उन स्थानों तक पहुंच का बेहतर विकल्प हैं जहां सड़क बनाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से तीर्थ यात्रियों की यात्रा आसान होगी और लोकल स्तर पर पर्यटन व रोजगार के नए अवसर भी बढ़ने है। उन्होंने बताया कि देहरादून के पुरकुल से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक बनने वाला यह रोपवे राज्य के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में शामिल है। करीब 285 करोड़ रुपए की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। परियोजना का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें 10 यात्रियों की क्षमता वाले 71 केबिन लगाए जाएंगे और देहरादून से मसूरी तक का सफर करीब 20 मिनट में पूरा होगा। इस साल के अंत तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं चंपावत जिले में पूर्णागिरी मंदिर तक पहुंच आसान बनाने के लिए यह रोपवे बनाया जा रहा है। करीब 35 करोड़ रुपये की लागत वाली योजना का निर्माण कार्य जारी है। इस 30 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर निदेशक खंडूरी ने इन परियोजनाओं के दूरगामी फायदों पर प्रकाश डाला है। उनके अनुसार रोपवे के माध्यम से उन दुर्गम पहाड़ियों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जहां सड़क मार्ग बनाना भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से कठिन है। केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब जैसे कठिन ट्रेक वाले स्थानों पर बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर मिलेगा। पहाड़ों पर वाहनों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है।

त्यागी के इस्तीफे पर राजद सांसद का दावा...देखते जाइए जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक ओर राज्यसभा जा रहे हैं। दूसरी ओर उनके पुराने साथ रहे केसी त्यागी ने भी जेडीयू का साथ छोड़ दिया है। 22 मार्च को वे बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करने वाले है। इस बीच आरजेडी के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। बीते दिनों सांसद यादव जहानाबाद में विधायक राहुल कुमार की ओर से आयोजित इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे। जहां उन्होंने कहा कि त्यागी उम्र और रिश्ते में बड़े हैं, इसलिए उनका सम्मान करते हैं, लेकिन उनके इस्तीफे के बाद जेडीयू में जल्द भगदड़ मचने वाली है। आरजेडी सांसद ने दावा कर कहा कि थोड़ा इंतजार कर लीजिए, जेडीयू में भगदड़ मचेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तब मैं खुद सांसद पद से इस्तीफा देकर राजनीति भी छोड़ दूंगा। सांसद यादव ने कहा कि एनडीए के 25 साल के शासन के बावजूद बिहार में आज भी असली जंगलराज बरकरार है। यह डर पैदा करने वालों का राज है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग जंगलराज के नाम पर ही चुनाव जीतने की रणनीति बना चुके हैं। जनता को गुमराह कर रहे हैं। आरजेडी सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में 11 साल से सरकार होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने अब तक प्रेसवार्ता क्यों नहीं की? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जनता के बीच आकर सीधे सवालों का जवाब देना चाहिए।

कांशीराम को भारत रत्न की मांग पर गरमाई यूपी की सियासत, मायावती ने कांग्रेस-सपा को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के इर्द-गिर्द सिमटती नजर आ रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के बीच दलित मतों को साधने की होड़ में विपक्षी दलों और सत्ता पक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। हाल ही में 15 मार्च को कांशीराम की 93वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की, जिसने राज्य के सियासी पारे को बढ़ा दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दलितों के उत्थान में कांशीराम के योगदान को रेखांकित किया और उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने का आग्रह किया। हालांकि, कांग्रेस की इस पहल पर बसपा प्रमुख मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। मायावती ने राहुल गांधी की मांग को बेतुका करार देते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने कांशीराम को सम्मानित क्यों नहीं किया? उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी दोनों को दलित विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल चुनावों के वक्त बहुजन नायकों को याद करते हैं।

मायावती ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस के पास अब अपने कोई महान नेता नहीं बचे हैं, इसलिए वे बसपा के महापुरुषों के नाम पर वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब कांशीराम जीवित थे, तब इन्हीं पार्टियों ने उन्हें हमेशा नजरअंदाज किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि अखिलेश यादव द्वारा हर जिले में कांशीराम जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाना महज एक अवसरवादी कदम है। मायावती के अनुसार, बसपा शासनकाल में कांशीराम के सम्मान में किए गए कार्यों को सपा सरकार ने ही पलटने का काम किया था। सत्ता पक्ष की ओर से भी इस मामले पर प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को कांशीराम की याद क्यों नहीं आई? दूसरी ओर, मायावती ने अपने समर्थकों को आगाह करते हुए कहा कि ये पार्टियां बसपा को खत्म करने की सोची-समझी रणनीति के तहत काम कर रही हैं। उन्होंने चमचा युग पुस्तक का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों के साथ जुड़े दलित नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उत्तर प्रदेश में एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांशीराम के सम्मान को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आने वाले दिनों में और गहराने के आसार हैं।

रिटायर्ड अफसर को दस दिन तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 1.05 करोड़ रुपए भी ठगे

खुद को सीबीआई अधिकारी बता मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने और गिरफ्तार करने की दी धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। देश में साइबर क्राइम दिन ब दिन बढ़ते ही जा रहे हैं और लोगों की महनत की कमाई ठग बड़ी चालाकी से अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई के दादर इलाके से सामने आया यहां एक बुजुर्ग नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके उससे 1.05 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। सेवानिवृत्त अधिकारी श्रेयष परलकर (71) से ठगों ने खुद को सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर मानसिक दबाव और डर दिखाकर ठगी को अंजाम दिया।

मीडिया रिपोर्ट में पीड़ित के मुताबिक 4 मार्च को उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई के दिल्ली मुख्यालय का अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि पीड़ित के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है, जिसका इस्तेमाल अवैध मैसेज और उत्पीड़न के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को फर्जी सीबीआई अधिकारियों के पास ट्रांसफर किया। अलग-अलग लोगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने और गिरफ्तार करने की धमकी दी। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए फर्जी कोर्ट ऑर्डर, अरेस्ट वारंट और सरकारी लेटरहेड तक व्हाट्सऐप पर भेजे। रिपोर्ट के मुताबिक ठगों ने पीड़ित को यह कहकर डिजिटल अरेस्ट किया कि वह जांच के दायरे में हैं और कहीं बाहर संपर्क नहीं कर सकते। उन्हें एक मैसेजिंग ऐप डाउनलोड कराकर हर दो घंटे में मैं सुरक्षित हूं जैसी रिपोर्ट भेजने को कहा। इस दौरान उन्हें बार-बार डराया गया और सहयोग न करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई। ठगों ने पीड़ित से उनकी बैंक डिटेल, निवेश और बचत की पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद फंड वेरिफिकेशन के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 6 मार्च से 12 मार्च के बीच पीड़ित ने चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 1.05 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए। 15 मार्च को पीड़ित के बेटे ने उनका मोबाइल चेक किया, तब पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके बाद तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों और संबंधित बैंक खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय नौसेना ने तैयार किया अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को मिल रही पूरी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरों को देखकर भारतीय नौसेना ने देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अभेद्य समुद्री सुरक्षा कवच तैयार कर लिया है। इस रणनीतिक मिशन के तहत, नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो विशेष टास्क फोर्स तैनात की हैं, जो भारत आने वाले कच्चे तेल और गैस के टैंकरों को संवेदनशील मार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए निरंतर एस्कॉर्ट प्रदान कर रही हैं। यह अभियान न केवल व्यापारिक जहाजों को संभावित हमलों या अवरोधों से बचाता है, बल्कि वैश्विक शिपिंग गलियारों में अनिश्चितता के बीच भारत की एनर्जी लाइफलाइन को बनाए रखता है। 2019 से इस क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति रख रही भारतीय नौसेना की यह त्वरित तैनाती भारत के उस कड़े संकल्प को दिखाती है, जहाँ वह अपनी अर्थव्यवस्था को किसी भी बाहरी दबाव या आपूर्ति में होने वाली रुकावट से सुरक्षित रखने के लिए हर स्तर पर तैयार है।

नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में दो टास्क फोर्स तैनात की हैं, ताकि भारत आने वाले व्यापारिक जहाजों और टैंकरों का सुरक्षित आवागम मिल सके। सुरक्षा अभियान पिछले सप्ताह शुरू हुए थे, जिसमें नौसैनिक जहाज संवेदनशील हिस्सों से गुजरते समय जहाजों के साथ चलते हैं और फिर उन्हें भारतीय बंदरगाहों की ओर निर्देशित करते हैं। नौसेना वाणिज्यिक शिपिंग को पूरी सुरक्षा प्रदान कर रही है, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास बढ़ते जोखिमों के बीच आपूर्ति में किसी भी रुकावट को रोकना है।

यह तैनाती भारत की ऊर्जा जीवनरेखाओं को सुरक्षित करने के प्रयास का हिस्सा है, क्योंकि देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान मिशन व्यापक समुद्री सुरक्षा ग्रिड का हिस्सा है, इस प्रमुख समुद्री मार्गों की रक्षा करने और ऊर्जा आपूर्ति के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन बिंदुओं में से एक बना हुआ है, जिससे इस क्षेत्र में कोई भी अस्थिरता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चिंता का विषय बन जाती है।

बात दें कि नौसेना 2019 से समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के हिस्से के रूप में, ओमान की खाड़ी और अदन की खाड़ी सहित आस-पास के जलक्षेत्रों में अपनी निरंतर उपस्थिति बनाए हुए है। यह नवीनतम तैनाती उन प्रयासों को आगे बढ़ाती है, और बढ़ते तनाव के बीच

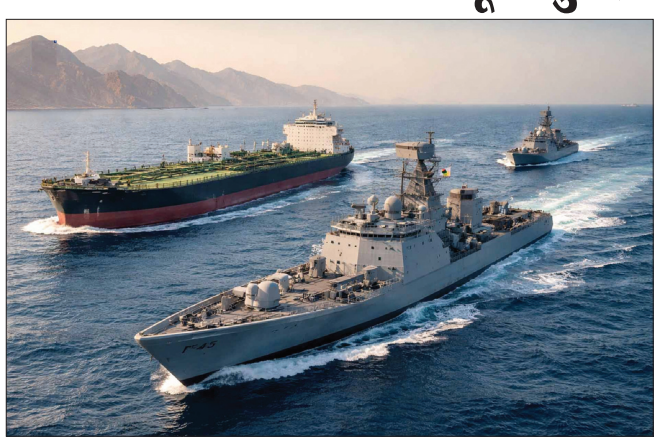

नौसेना की परिचालन पहुंच का विस्तार करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में आत्मघाती हमलों में कई लोगों की मौत

एबूजा, एजेंसी। आपातकालीन सेवाओं ने न्यूज एजेंसी एपी को जानकारी दी कि सोमवार रात पूर्वोत्तर नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में कम से कम तीन जगहों पर आत्मघाती हमलावरों ने हमला किया। इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। उन्होंने संभावित आत्मघाती बम विस्फोटों का हवाला दिया। बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में तीन अलग-अलग स्थानों पर विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जहां नाइजीरिया के स्थानीय जिहादी समूह बोको हरम ने एक दशक से अधिक समय से विद्रोह छेड़ रखा है। मैदुगुरी में नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) के संचालन प्रमुख सिराजू अब्दुल्लाही के अनुसार, ये बम विस्फोट एक स्थानीय बाजार और मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर हुए।

अमेरिकी के साथ युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के गुआम स्थित एंडरसन एयरफोर्स बेस पर बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास सी ड्रैगन 2026 शुरू हो गया है। पनडुब्बी-रोधी अभ्यास में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान व न्यूजीलैंड के साथ भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान शामिल है। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शत्रु पनडुब्बियों को ट्रैक करने और नष्ट करने की साझा दक्षता बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान सबसे सटीक प्रदर्शन करने वाले देश को ड्रैगन बेल्ट पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2025 में यह खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया में रणनीतिक संकट की चुनौती है।

नैरोबी में एक इमारत ढहाने के दौरान कम से कम 4 लोगों की मौत

नैरोबी , एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में सोमवार को एक नियोजित विध्वंस के दौरान एक इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सेना और अन्य संस्थानों के बचावकर्मी मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने के लिए काम कर रहे थे। तस्वीरों में पीड़ितों को स्ट्रेचर पर मलबे से बाहर ले जाते हुए दिखाया गया। बयान में कहा गया है कि यह इमारत उन कई इमारतों में से एक थी, जिन्हें नैरोबी नदी पुनर्निर्माण परियोजना के तहत हटाने के लिए चिह्नित किया गया था।

आईसीई की हिरासत में एक अफगानिस्तानी व्यक्ति की मौत, अमेरिकी सेना के साथ करता था काम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक अफगान अप्रवासी की अस्पताल में आव्रजन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई। मृतक के परिवार ने कहा कि उसे अमेरिकी सेना के साथ वर्षों तक काम करने के बाद उसके गृह देश से निकाला गया था। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने मोहम्मद नजीर पक्त्यावल को अपराधी बताया, जिसे कथित तौर पर खाद्य स्टाम्प के धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग और चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने यह भी कहा कि पक्त्यावल ने अपनी सैन्य सेवा का कोई रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया था।

ब्राजील : फलस्तीन समर्थक स्थानीय लोगों से भिड़े तीन इस्राइली पर्यटक, पुलिस ने किया रिहा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील पुलिस ने सोमवार को तीन इस्राइली पर्यटकों को रिहा कर दिया, जो इस सप्ताहांत देश के उत्तरपूर्वी हिस्से में स्थित एक समुद्रतटीय शहर के फलस्तीन समर्थक निवासियों के साथ हुई झड़प में शामिल थे। बाहिया राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा कि 21 से 22 वर्ष की आयु के तीन पुरुषों ने अधिकारियों का अपमान किया और गिरफ्तारी का विरोध किया। इटाकारे 30,000 निवासियों का एक शहर है जो पूर्व इस्राइली सैनिकों के लिए एक पर्यटन स्थल बन गया है।

नेतन्याहू ने ईरान के लोगों को बहादुर बताया

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों पर विराम लगाते हुए ईरान की जनता के लिए एक खास संदेश जारी किया है। उन्होंने ईरान के आने वाले त्योहारों और फारसी नए साल नवरोज के लिए वहां के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध जारी है। नेतन्याहू ने ईरान के नागरिकों को बहादुर लोग कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मैं हर साल की तरह इस बार भी आपको त्योहारों की बधाई देता हूं।

ईरान से जंग में बुरे फंसे ट्रंप, अब युद्धविराम की लगा रहे गुहार, तेहरान ने निकाल दी हेकड़ी

तेहरान (एजेंसी)। । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से पंगा लेकर खुद के पैर में कुल्हाड़ी मार ली है। इस जंग में अमेरिकी बुरी तरह फंस गया है। ट्रंप की देश दुनिया में निंदा हो रही है। अब उनसे हालात ये हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान के शीर्ष नेतृत्व की ओर से विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। एक ओर राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक मंचों पर यह कह रहे हैं कि ईरान की सैन्य ताकत लगभग ध्वस्त हो चुकी है और तेहरान के नेता बातचीत के लिए बेताब हैं, वहीं जमीनी हकीकत और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स कुछ और ही इशारा कर रही हैं। ट्रंप का दावा है कि ईरान के लोग और वहां का नेतृत्व वार्ता की मेज पर आने के लिए गुहार लगा रहे हैं, लेकिन पर्दे के पीछे की खबरें बताती हैं कि तेहरान ने अमेरिका के साथ सीधे संवाद के रास्ते फिलहाल पूरी तरह बंद कर रखे हैं।

सैन्य मोर्चे पर ट्रंप और अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को 90 से 95 प्रतिशत तक खत्म कर दिया है। इसके विपरीत, इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमले अब भी जारी हैं। इस युद्ध का सबसे गंभीर असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की रणनीतिक बढ़त ने तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल ला दिया है। अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधन बनाने की कोशिशों को भी झटका लगा है, क्योंकि जर्मनी जैसे कई यूरोपीय देशों ने इस युद्ध को नाटो का हिस्सा मानने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका बोला- बात कर लो, ईरान ने कहा अभी नहीं

रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप के बेहद करीबी और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पिछले सप्ताह ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बातचीत की संभावनाओं पर चर्चा के लिए संदेश भेजे थे। हालांकि, ईरान की ओर से इन संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया गया। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के फैसले के कारण इन संदेशों को नजरअंदाज किया गया है। ईरानी नेतृत्व का मानना है कि फिलहाल अमेरिका से किसी भी तरह की सीधी बातचीत अभी मुमकिन नहीं है और युद्धविराम का अंतिम फैसला पूरी तरह से सर्वोच्च नेता के विवेक पर निर्भर है।

ईरान ने कहा- हमने कभी युद्धविराम की पहल नहीं की

इस बीच, बयानों की इस जंग में अमेरिकी अधिकारियों ने एक अलग कहानी पेश की है। उनका दावा है कि वास्तव में ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने ही बातचीत की पहल की थी। हालांकि, अरागची ने इन दावों को सोशल मीडिया पर सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर गलत जानकारी फैलाकर तेल बाजार और वैश्विक जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। अरागची ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने न तो युद्धविराम की मांग की है और न ही बातचीत की पहल की है; वह अपनी रक्षा के लिए तब तक लड़ता रहेगा जब तक जरूरत महसूस होगी। ईरानी अधिकारियों का आरोप है कि अमेरिका अब इस युद्ध से निकलने का सुरक्षित रास्ता तलाश रहा है।

श्रीलंका में ईंधन बचाने के लिए कड़े नियम लागू, अब हफ्ते में चार दिन ही काम

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की सरकार ने देश में काम के दिनों को घटाकर हफ्ते में केवल चार दिन करने का फैसला लिया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के लंबे समय तक चलने की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सरकार का मुख्य मकसद देश में मौजूद ईंधन (फ्यूल) के सीमित भंडार को बचाना है।

क्यों लिया गया ये फैसला : दरअसल, अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। शांति के समय में दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत निर्यात इसी समुद्री रास्ते से होता है। युद्ध अब अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और इस रास्ते के बंद होने से तेल की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है।

क्या बोले अधिकारी : आवश्यक सेवाओं के कमिश्नर-जनरल प्रभात चंद्रकीर्ति ने सोमवार को बताया कि बुधवार से सभी सरकारी संस्थान हफ्ते में केवल चार दिन ही काम करेंगे। यह नया नियम स्कूलों और यूनिवर्सिटी पर भी लागू होगा और अनिश्चित काल तक जारी रहेगा। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की अध्यक्षता में हुई एक आपात बैठक के बाद सरकार ने निजी क्षेत्र से भी अनुरोध किया है कि वे हर बुधवार को छुट्टी घोषित करें।

राष्ट्रपति ने दिया निर्देश : राष्ट्रपति दिसानायके ने अधिकारियों से कहा कि हमें सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अस्पताल,

बंदरगाह और इमरजेंसी सेवाएं पहले की तरह सामान्य रूप से चलती रहेंगी। सरकार ने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों और समारोहों पर भी रोक लगा दी है। सरकारी कर्मचारियों से कहा गया है कि जहां तक संभव हो, वे ईंधन बचाने के लिए घर से ही काम करें। श्रीलंका अपनी जरूरत का सारा तेल और बिजली बनाने के लिए कोयला दूसरे देशों से खरीदता है। देश में रविवार से ही तेल की राशनिंग शुरू कर दी गई है। अब आम वाहन मालिकों को एक हफ्ते में सिर्फ 15 लीटर पेट्रोल या डीजल ही मिल सकेगा। वहीं, बस और अन्य सार्वजनिक वाहनों के लिए 200 लीटर की सीमा तय की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, देश के पास अभी लगभग छह हफ्ते का तेल बचा है, लेकिन अगर नई सप्लाई नहीं आई तो हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं। श्रीलंका सरकार को डर है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से उसकी अर्थव्यवस्था फिर से पटरी से उतर सकती है। साल 2022 में श्रीलंका आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया था और वह अपना विदेशी कर्ज नहीं चुका पाया था। फिलहाल देश आईएमएफ से मिले 2.9 अरब डॉलर के पैकेज की मदद से संभलने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका अब क्यूबा पर हमले की कर रहा तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने और ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का युद्धोन्माद अभी भी खत्म नहीं हुआ है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने वामपंथी देश क्यूबा पर भी हमले की अपनी योजना सार्वजनिक की। दरअसल अमेरिका द्वारा क्यूबा की नाकेबंदी की गई है, जिसके चलते वहां तेल नहीं पहुंच पा रहा है और इस कारण क्यूबा में पावर ग्रिड बुरी तरह से बाधित है और बिजली आपूर्ति बाधित है और क्यूबा का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में है।

ट्रंप ने क्यूबा पर हमले को लेकर क्या कहा : ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा पर कब्जे का सम्मान मैं ही लूंगा और क्यूबा पर कब्जा करना या उसे आजाद कराना, ये एक बड़ा सम्मान होगा।' ट्रंप ने कहा 'मैं क्यूबा को आजाद भी करा सकता हूं और उस पर कब्जा भी कर सकता हूं। मैं इसके साथ जो चाहूं वो कर सकता हूं। क्यूबा अभी बहुत कमजोर स्थिति में है।'

क्यूबा पर अमेरिका ने बनाया आर्थिक दबाव : ट्रंप प्रशासन द्वारा क्यूबा

पर आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है ताकि क्यूबा को आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भर बनाया जा सके। बीते 67 वर्षों के अपने एकदलीय शासन में क्यूबा पहली बार भारी दबाव में लग रहा है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन क्यूबा के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। क्यूबा संकट की शुरुआत इसी साल 3 जनवरी से हुई, जब क्यूबा के सहयोगी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका ने सत्ता से बेदखल कर दिया। अमेरिका ने हमला कर मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अमेरिका ने क्यूबा की भी नाकेबंदी कर दी, जिससे क्यूबा में तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा था कि क्यूबा अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। यह समझौता ईरान युद्ध के बाद हो सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर, इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई।

वे एक बेहतरीन इंसान हैं : ट्रंप ने कहा, 'सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस

चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है।

इलाज के दौरान भी काम कर रही : ट्रंप ने कहा, 'उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी। ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, 'उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।'' ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, 'सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें।' व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने वाइल्स की नेतृत्व क्षमता और व्यक्तिगत गुणों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'सुसी वाइल्स यह दिखाती हैं कि एक मजबूत नेता क्या होती हैं। वे सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है।

मेरे और राष्ट्रपति के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं?', पश्चिम एशिया को लेकर वेंस का चौंकाने वाला बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से जब उनके पश्चिम एशिया को लेकर पूर्व के बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा कि क्या आप मेरे और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं? जेडी वेंस ने कहा कि पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिकी प्रशासन के सभी सदस्य एकमत हैं और उन्हें राष्ट्रपति पर पूरा भरोसा है कि वे ईरान मामले को खत्म करेंगे।

जेडी वेंस ने क्या कहा : व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए जेडी वेंस से उनके पश्चिम एशिया को लेकर पिछले बयानों पर सवाल किया गया। जिस पर वेंस ने इन सवालों को टालते हुए कहा, 'आप प्रशासन के सदस्यों के बीच, मेरे और राष्ट्रपति के बीच फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति कहते रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और मैं उनसे सहमत हूं।'

वेंस ने कहा 'हमारे पास एक बुद्धिमान राष्ट्रपति हैं, जबकि पूर्व में हमारे पास मूर्ख राष्ट्रपति रहे हैं। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप पर भरोसा है कि वे काम को पूरा करेंगे, अमेरिकी लोगों के लिए अच्छा काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पूर्व की गलतियां दोहराई न जाएं।

पूर्व के बयानों में ईरान के साथ युद्ध को गलत बताया था दरअसल जेडी वेंस ने अपने पूर्व के कई बयानों में कहा है कि अमेरिका को विदेशी संघर्षों में शामिल नहीं होने से बचना चाहिए। साथ ही साल 2023 में एक अखबार के संपादकीय में भी वेंस ने लिखा था कि ट्रंप इसलिए भी सफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिका को युद्धों में नहीं शामिल किया। साल 2024 में भी वेंस ने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध अमेरिका के हित में नहीं है और यह संसाधनों को नुकसान पहुंचाने जैसा है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने बताया कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में सात देशों में अमेरिका के 200 के करीब सैनिक घायल हुए हैं। अब तक इस अभियान में 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है। समय के साथ मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि कई सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव पर चिंता, प्रवासी नागरिकों से बोलीं नेपाल की पीएम- देश में करें निवेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दुनिया भर में रह रहे प्रवासी नेपालियों से एकजुट होने और देश की आर्थिक समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। काठमांडू में आयोजित गैर-आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) के 12वें वैश्विक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय आम सभा के समापन पर उन्होंने यह बात कही।

क्या बोलीं निवर्तमान प्रधानमंत्री : सुशीला कार्की ने सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अकेले देश के विकास के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेपाल की प्रगति के लिए देश और विदेश में रहने वाले सभी नेपालियों का सहयोग, निवेश, ज्ञान और नए विचार (नवाचार) बहुत जरूरी हैं। 'हमारी एकता, समृद्धि का आधार' विषय के तहत आयोजित इस तीन-दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से नेपाली प्रवासियों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि और सदस्य एक साथ आए। एनआरएनए लगभग 80 लाख प्रवासी नेपालियों का एक बड़ा संगठन है। सम्मेलन के अंत में एक 12 सूत्रीय घोषणापत्र भी जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी नागरिकों को नेपाल में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि पर्यावरण की

सुरक्षा और सतत विकास में भी मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया संकट पर जताई चिंता : सम्मेलन में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी गहरी चिंता जताई गई। 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव फैल गया है। एनआरएनए ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वे पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे नेपालियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। संगठन ने संकट के समय में वहां फंसे नेपालियों को राहत पहुंचाने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

नीतिगत माहौल बनाने की अपील की : प्रवासी समुदाय ने नेपाल सरकार से निवेश के लिए बेहतर कानूनी और नीतिगत माहौल बनाने की मांग की है। उन्होंने नागरिकता, विदेशी निवेश, आयकर और संपत्ति के लेन-देन से जुड़े कानूनों में बदलाव का सुझाव दिया है। संगठन ने जलविद्युत (हाइड्रोपावर), कृषि, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित उद्योगों को निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है।

पाकिस्तान सरकार इमरान खान से उनके बेटों सुलेमान और कासिम की मुलाकात रोक रही : जेमिमा गोल्डस्मिथ

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दखल देने की अपील की है। दरअसल, जेमिमा के दो बेटे, सुलेमान खान और कासिम खान, दो महीने से ज्यादा समय पहले आवेदन करने के बावजूद अपने पिता इमरान खान से मिलने के लिए वीजा नहीं ले पा रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक डिटेल्ड पोस्ट में, जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि उनके बेटों ने जनवरी में अपने वीजा एप्लीकेशन जमा किए थे, फिर भी पाकिस्तान कॉन्सुलेट ने उन्हें प्रोसेस नहीं किया, जबकि ऑनलाइन वीजा के लिए आधिकारिक टाइमलाइन 7 से 10 वर्किंग डेज बताई गई है। जेमिमा गोल्डस्मिथ ने कहा कि यह देरी खास तौर पर परेशान करने वाली थी क्योंकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और प्रधानमंत्री के प्रवक्ता, मुशर्रफ जैदी, दोनों ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया को सार्वजनिक तौर पर भरोसा दिलाया था कि इमरान खान के बेटे चार साल बाद सुरक्षित रूप से पाकिस्तान जा पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि लड़कों को अपने पिता से फोन पर बात करने या उन्हें चिट्ठी भेजने की इजाजत नहीं दी गई है और 2022 के बाद से, जब वह एक हत्या की कोशिश में बच गए थे, तब से उन्होंने उन्हें नहीं देखा है।

अपनी अपील में, गोल्डस्मिथ ने कहा कि इमरान खान की बिगड़ती सेहत की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से 'जितनी जल्दी हो सके' पीटीआई चीफ से मिलने की इजाजत देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लंबी चुप्पी ने परिवार को अनिश्चितता की स्थिति में डाल दिया है, जबकि बार-बार भरोसा दिलाया गया था कि इमरान खान के बेटों पर

कोई रोक नहीं लगाई जाएगी। इस मुद्दे ने इमरान खान के समर्थकों और मानवाधिकार समूहों के बीच उनकी हिरासत की शर्तों और उनके परिवार और लीगल टीम के साथ बातचीत पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर बढ़ती चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

इमरान खान 2023 से जेल में हैं; उन्हें कई मामलों में दोषी ठहराया गया है, जिसमें भ्रष्टाचार और क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स को संभालने से जुड़े आरोप शामिल हैं। उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), ने बार-बार दावा किया है कि ये मामले राजनीति से प्रेरित हैं और उनका मकसद खान को राजनीतिक माहौल से हटाना है। जेल जाने के बाद से इमरान खान के परिवार के सदस्यों, जिसमें विदेश में रहने वाले उनके बेटे भी शामिल हैं, को उनसे मिलने की इजाजत लेने में बहुत मुश्किल हो रही है। उनके वकीलों ने भी नियमित तौर पर इमरान से मिलने में मुश्किलों की बात कही है और आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी सेना ने इस बात पर कड़े कंट्रोल लगा दिए हैं कि उनसे कौन और कब मिल सकता है।

इन पाबंदियों की वजह से इंटरनेशनल जानकारों ने उनकी आलोचना की है, जिनका कहना है कि इमरान खान की हिरासत के मामले में पारदर्शिता की कमी दिखाई देती है और यह हिरासत में लिए गए लोगों को मिलने वाले मूलभूत अधिकारों को पूरा करने में नाकाम है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में तेल से भरा टैंकर पलटा, आग लगी: ड्राइवर जिंदा जला

● नेशनल हाईवे पर 200 मीटर तक लपटें फैली

जालोर (एजेंसी)। राजस्थान के जालोर जिले में जैसलमेर-जामनगर नेशनल हाईवे (NH-68) पर तेल टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद सड़क पर 200 मीटर तक लपटें फैल गईं। टैंकर का ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि उसके साथ बैठा भाई समय रहते कूद गया। हादसा बुधवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, टैंकर बाड़मेर से गुजरात की तरफ जा रहा था। इस दौरान सिंवाड़ा ओवरब्रिज पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सांचौर एसडीएम प्रमोद कुमार और सिंवाड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चितलवाना थाने के अरकमोहनलाल ने बताया- गुजरात नंबर (GJ-12-झे-9820) का टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था। हादसे में बाड़मेर के गुड़ामालानी के मोखावा निवासी ड्राइवर सुखराम (34) पुत्र देदाराम मेघवाल की मौत हो गई, जबकि उसके बुआ के बेटे नरसीराम (26) पुत्र जोधाराम मेघवाल की जान बच गई। नरसीराम को सिंवाड़ा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया। अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि टैंकर में कौनसा ज्वलशील पदार्थ भरा था।

गुजरात विधानसभा परिसर में बम की धमकी

● ईमेल में लिखा: मुंद्रा पोर्ट पर मिसाइल हमले करेंगे

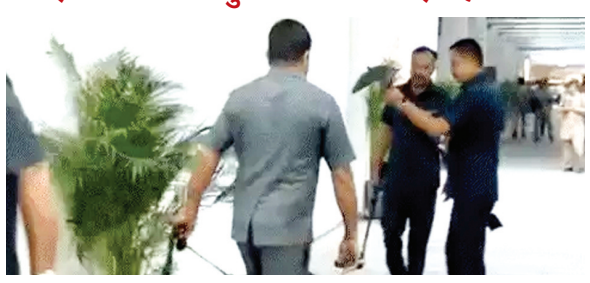

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में कई अहम स्थानों को बम ब्लास्ट से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार सुबह आए ईमेल के बाद गांधीनगर में विधानसभा को खाली करवाकर चेक किया। इसके साथ मुंद्रा पोर्ट पर सुरक्षा को अलर्ट किया गया। ईमेल में अहमदाबाद के स्कूलों में भी ब्लास्ट की धमकी दी गई है। ईमेल में कच्छ जिले के मुंद्रा पोर्ट पर खड़े एलपीजी टैंकर को मिसाइल से उड़ाने की भी धमकी दी गई है। इसके साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल को गुजराती हिंदू चरमपंथी बताया गया है। ईमेल में अहमदाबाद के तीन स्कूलों में ब्लास्ट की धमकी दी गई है। इन स्कूलों में मेमनगर स्थित महाराजा अग्रेशन स्कूल, घाटलोडिया स्थित कैलोरेक्स स्कूल और शांति एशियन स्कूल के नाम शामिल हैं। जांच टीमों ने तीनों स्कूलों की भी जांच की, लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला। ईमेल मिलते ही पुलिस, बम स्क्वॉड और अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं। विधानसभा से सभी विधायकों और मंत्रियों को सदन से बाहर निकाला गया और तलाशी अभियान चलाया गया।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें

इनमें 3 लड़कियां, दमकल ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया, दो ने छलांग लगाकर जान बचाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बिल्डिंग के बेसमेंट, ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर कपड़े और कॉस्मेटिक सामान के स्टोरेज के लिए किया जा रहा था। सेकेंड और थर्ड फ्लोर पर लोग रहते थे। चौथे फ्लोर पर एक टिन शेड बना हुआ था। आग की लपटें वहां तक पहुंच गई थीं। घटना में मारे गए 8 लोगों के शव मणिपाल अस्पताल और एक महिला का शव कक्कड़ अस्पताल लाया गया था। घायलों में दो का इलाज IGI अस्पताल में चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22), दीपिका (28) और तीन नाबालिग लड़कियां (15, 6 और 3 साल) शामिल हैं। अनिल (32) और 2 साल की एक बच्ची कक्कड़ अस्पताल में भर्ती हैं। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सचिन (29) लगभग 25% झुलस चुके हैं।

पीएम ने मोदी ने मुआवजे का ऐलान किया

पालम आग हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पालम में बहुमंजिला आवासीय इमारत में लगी आग की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। जिला प्रशासन, दिल्ली फायर सर्विस विभाग और दिल्ली पुलिस बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। घटना की जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं।

देवगौड़ा पर खड़गे बोले: मोहब्बत हमसे, शादी मोदीजी

आठवले से कहा: मोदी का गुणगान कम करें, कांग्रेस अध्यक्ष की बातों पर पीएम खूब हंसे

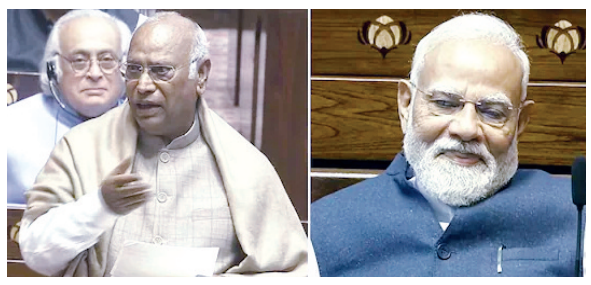

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से रिटायर हो रहे 59 सांसदों को विदाई दी गई। इनमें पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, सभापति हरिवंश, आरपीआई नेता रामदास आठवले शामिल हैं। हालांकि पवार और आठवले राज्यसभा के लिए फिर चुन लिए गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के बारे में कहा, 'मैं सबसे पहले देवगौड़ाजी का उल्लेख करना चाहूंगा। मुझे पता नहीं कि उन्हें क्या हुआ, मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की।' इस पर पीएम को हंसी आ गई। इस दौरान पीएम मोदी ने संसद को एक ओपन यूनिवर्सिटी बताया। उन्होंने कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं होता। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। आपका अनुभव हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बना रहेगा। उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सभापति जी आपने बोलने का मौका दिया। पीएम और सभापति जी आपने जो मेरे लिए शब्द कहे, वह मेरे जीवन का अमिट स्मृति है। मैं हर किसी के शब्दों से खुद को जोड़ता हूं। आपके आने के बाद लगातार यह प्रयास रहा कि कैसे यह संसद चले। इस सदन के सदस्य जेपी नड्डा का मर्यादित आचरण याद रहेगा। खड़गे जी के साथ बैठने का अवसर, हर पल सजग रहना.. उनका अनुभव इससे बहुत कुछ सीखने मिला। किरेन रिजिजू का हिंदी में प्रेम से बात रखना बहुत अच्छा लगता है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे उपसभापति हरिवंशजी को लंबे समय तक इस सदन में जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला। मृदुभाषी हैं। संकट के समय काम उनके ही जिम्मे आता है कि आप संभाल लेना जरा। उनको एक लंबा अनुभव होता है। सबको भली भांति जान लेते हैं। लेकिन उनका भी योगदान है। मैंने देखा है कि सदन का समय नहीं होता तो कहीं न कहीं वे देश के यूथ से मिलना जुलना करते रहे हैं। वे काम के धनी तो हैं ही कर्म कठोर के नाते भारत के हर कोने में जाकर काम किया है। कभी हम सुनते थे कि सदन में हास्य विनोद का अवसर मिलता रहता है।

पीएम ने कहा: जीवन में बड़ा फैसला लेना होता है

पीएम ने कहा,'मुझे पक्का विश्वास है जो नए सांसद आएंगे उनको भी यह अनुभव और विरासत मिलेगी। जीवन में या सामाजिक जीवन में कोई बड़ा फैसला लेना होता है। परिवार के लोग कहते हैं कि उनसे एक बार पूछ लो। उनका क्या कहना है। कोई बीमार है तो कहते हैं कि एक और डॉक्टर से पूछ लो। मैं मानता हूं कि संसदीय प्रणाली में सेकंड ओपिनियन की बहुत बड़ी भूमिका है। यह सेकंड ओपिनियन सारी बहस को नया आयाम देती है। हमारी निर्णय प्रक्रिया को समृद्ध करती है। जो सदन में बैठते हैं।

इंदौर में ईवी चार्जिंग के दौरान घर जला, 8 मौतें: 4 घायल

■ लोग अंदर फंसे रह गए, पीएम-सीएम ने जताया दुख

इंदौर। इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है। पुलिस के अनुसार, कार से घर तक फैली आग ने अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं। बिहार के किशनगंज निवासी बिजली देवी ने बताया कि विजय सेठिया कॉस्मेटिक कारोबार से जुड़े थे। उन्हें जबड़े में कैंसर था। इसलिए वह ऑपरेशन कराने परिवार के साथ अपने बेटी-दामाद के घर इंदौर गए थे। पड़ोसी दुकानदार सौरभ ने बताया कि विजय सेठिया इलाज कराने के लिए इंदौर गए थे, लेकिन वहां हादसे में उनकी पत्नी, बेटे, बहन और बहनोई समेत उनकी भी मौत हो गई।

यूपी-दिल्ली छोड़कर देश में बारिश का अलर्ट

कर्नाटक के धारवाड़ में ओले गिरे, कालघाटगी बना मिनी कश्मीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में पिछले तीन दिनों से आंधी, बारिश और ओले गिरने का दौर जारी है। IMD के मुताबिक 18 मार्च से स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इस वजह से मौसम विभाग ने पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को छोड़कर पूरे देश में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के विदर्भ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है, जबकि हिमाचल और छत्तीसगढ़ में ओले गिरने की भी आशंका है। इधर, कर्नाटक के धारवाड़ जिले की कालघाटगी में भारी बारिश हुई। इसके साथ ओले गिरे। सड़कों पर, घरों पर ओलों की मोटी परत जम गई। इससे यह इलाका मिनी कश्मीर की तरह नजर आने लगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में मंगलवार को भी बर्फबारी हुई। कठुआ के सरथल, हिमाचल के कुल्लू और लाहौल स्पीति में बर्फबारी जारी है। मेघालय में भी खराब मौसम का असर देखने को मिला। रीभोई में तेज आंधी और भारी बारिश से 1028 घरों को नुकसान हुआ है। करीब 5000 लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा नुकसान उमलिंग और जिरांग ब्लॉक के गांवों में हुआ। 19 मार्च- हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी बारिश या बर्फबारी की संभावना है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। इन इलाकों में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

गुरुग्राम में 'दूर जाकर शराब पियो' कहने पर मर्डर

गुरुग्राम (एजेंसी)। बुजुर्ग मर्डर केस में बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों के बीच शराब पीने को लेकर कहासुनी हुई थी। बुजुर्ग ने आरोपी मोनू को पहले ठेके के पास शराब न पीने के लिए कहा। इसके बाद आरोपी रास्ते में ही खड़ा होकर शराब पीने लगा तो बुजुर्ग ने उसे दूर जाकर शराब पीने के लिए फिर टोका। इससे गुस्साए मोनू ने जगदीश को जमकर पीटा। छाती पर बैठकर पत्थर से उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ कई वार किए। आरोपी बुजुर्ग को अधमरा छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद परिजनों ने जगदीश को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। आरोपी मोनू उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। शराब पीने से रोकने पर कहासुनी: डुन्डाहेड़ा गांव में जगदीश सोमवार देर शाम सड़क के पास से गुजर रहा था। पास में ही मौजूद ठेके के पास मोनू शराब पी रहा था। जगदीश ने उसे रास्ते में शराब नहीं पीने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

भारत ने जंग के बीच ईरान को मेडिकल मदद भेजी

ईरानी दूतावास ने धन्यवाद दिया, इजराइल का दावा: ईरानी इंटेलिजेंस मिनिस्टर की मौत

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत ने ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह खेप ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और मेडिकल सप्लाई शामिल हैं। भारत में ईरान के दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय लोगों का आभार जताया। दूतावास ने कहा कि यह मदद सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई है और इसे भारत के लोगों की ओर से मिला सहयोग बताया। दूतावास ने मेडिकल सप्लाई सौंपने का वीडियो भी शेयर किया। दूसरी ओर इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के इंटेलिजेंस मंत्री इस्माइल खातिब को एयरस्ट्राइक में मार गिराया है। हालांकि इस दावे की ईरान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा स्थित अडाणी पोर्ट्स पर पहुंच गया है। यह वअए के फुजैराह पोर्ट से होर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए आया है। इराक ने तुर्किये के जरिए तेल सप्लाई दोबारा शुरू करने के लिए एक अहम समझौता किया है। होर्मुज पर ईरान की रोक के बाद क्षेत्र का उत्पादन लगभग 70 प्रतिशत तक घट गया था। आर्थिक रूप से इराक का तेल उत्पादन लगभग 4.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से घटकर करीब 10 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया था इस समझौते के तहत अब इराक उत्तरी कुर्द क्षेत्र से गुजरने वाली पाइपलाइन के जरिए तुर्किये के जयहान बंदरगाह तक तेल भेज सकेगा। नए समझौते से इराक को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है और वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई भी कुछ हद तक सामान्य हो सकती है। ईरान की राजधानी तेहरान में सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग जुटे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली एयरस्ट्राइक में मारे गए लारीजानी की अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। लारीजानी ईरान के शीर्ष नेताओं में शामिल थे और उन्हें देश की सुरक्षा व रणनीति का अहम चेहरा माना जाता था। उनकी मौत को ईरान के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है। इजराइल ने दावा किया था कि उसने एयरस्ट्राइक में लारीजानी को मार गिराया, जिसकी बाद में ईरान ने भी पुष्टि की। इजराइल ने कहा है कि वह ईरान की सैन्य क्षमता को लगातार कमजोर कर रहा है और आगे भी कार्रवाई जारी रखेगा।

मेडिकल मदद की पहली खेप भेजी

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत ने ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। यह खेप ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और मेडिकल सप्लाई शामिल हैं। भारत में ईरान के दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय लोगों का आभार जताया। दूतावास ने कहा कि यह मदद सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई है और इसे ह्लभारत के लोगों की ओर से मिला सहयोगह्व बताया। दूतावास ने मेडिकल सप्लाई सौंपने का वीडियो भी शेयर किया।

गणगौर उत्सव का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट महिला इकाई द्वारा गणगौर उत्सव का भव्य आयोजन बुधवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इम्पीरियल हाल में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, नाटक (स्किट), मनोरंजक प्रतियोगिताएँ तथा अनेक आकर्षक सरप्राइज आयोजित किए गए। साथ ही सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी नजर आईं, जिससे पूरे आयोजन में गणगौर उत्सव की पारंपरिक झलक दिखाई दी और वातावरण उल्लास एवं उत्साह से भर गया। इस अवसर पर महिला इकाई की अध्यक्षा मनीषा काजरिया, सचिव किरण चोकडिका, कोषाध्यक्ष इन्द्रा अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक संतोष गाड़िया, रीतु अग्रवाल, दिशा लोहिया, पूनम अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहीं।

गणगौर वेडिंग कार्निवल का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गणगौर वेडिंग कार्निवल कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वेडिंग कार्निवल थीम पर किया गया, जिसमें हमारी परंपरा, वेशभूषा एवं हमारे रीति रिवाज को भी दर्शाया गया। कार्यक्रम में करीबन तीन सौ पचास महिलायें पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुई। कार्निवल में महिलाओं को चूड़ी गेम, कार्ड गेम, टिक टैक टो, टैरो कार्ड सहित अनेकों गेम खिलाए गए। आयोजन में ईसर गणगौर का महिलाओं ने नाचते-गाते बंदोरा निकाला एवं घूमर नृत्य किया। इस अवसर लड़की महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, प्रीति, अनुराधा, शालिनी, आरती, सरोज, सत्यभामा, सुनीता, सुशीला, शालिनी मित्तल, रेणु सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

समस्त देशवासियों को
चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान जयंती -2026
चैत्रशुक्ल पक्ष अष्टमी 2330वी
जन्म जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ
सदर आमंत्रण